हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

करवा चौथ की मंगलकामनाएं

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024

ईश

GOLD | DIAMOND | POLKI

HAVE YOU MADE YOUR

#EISHCOMETRUE?

WHAT MAKES EISH A GREAT CHOICE?

Exclusive, top-quality diamonds unmatched across India.
(DEF COLOUR & VVS CLARITY)

Find your signature piece from Eish also at
ANAND JEWELS, PANDRI, RAIPUR

EISH®

by ANAND Jewels

NRK HIGH STREET, A.B. ROAD, INDORE

EISHBYANAND

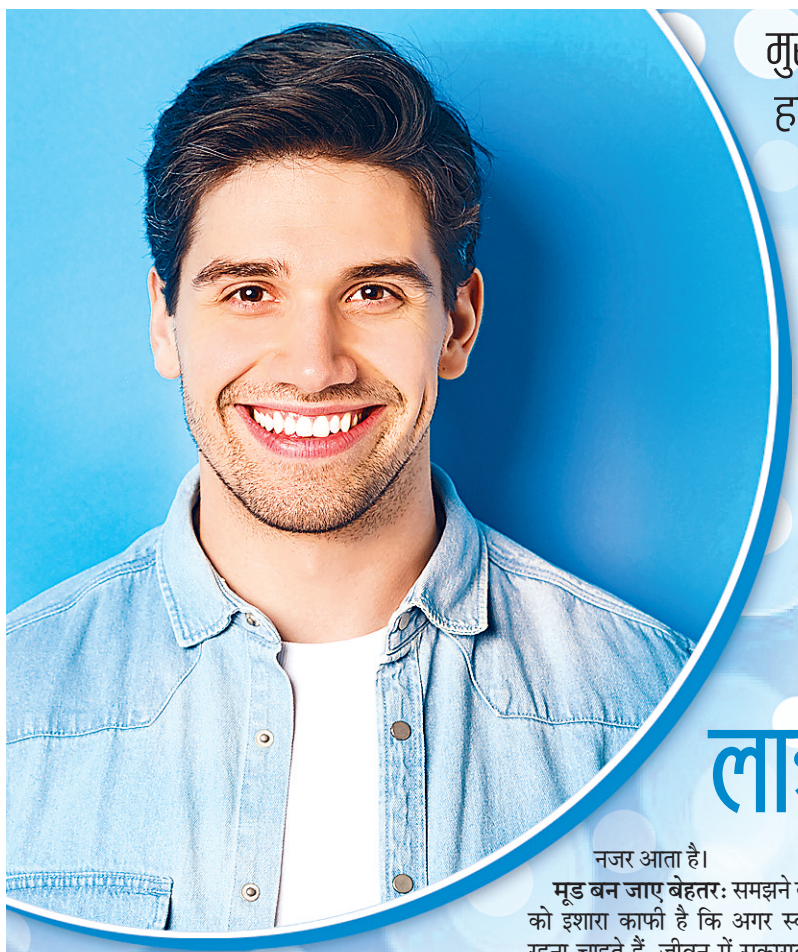

मुस्कुराहट एक ऐसी शारीरिक गतिविधि है, जो ना केवल हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, इससे हमारे जीवन में खुशी फैलती है। हम टेंशनफ्री होते हैं और हमारे सोशल सर्कल में हमारी इमेज भी पॉजिटिव बनती है। मजे की बात है, यह खूबी हम सभी के पास होती है तो फिर झिझक कैसी? आइए हम भी मुस्कुराएं, आप भी मुस्कुराइए।

स्माइल प्लीज...

लाइफ बनेगी हेल्दी-हैप्पी

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

एक मुस्कुराहट आपके लाखों बिगड़े काम बना सकती है। एक मुस्कुराहट आपके भीतर अनगिनत सपने जगा सकती है। गुस्से से जल भुन रहे किसी व्यक्ति को एक हल्की सी मुस्कुराहट पानी-पानी कर सकती है। यह सिर्फ भावुक कवियों या दार्शनिकों के उदार आख्यान नहीं हैं। विज्ञान भी इन बातों के साथ अपनी सहमति जता चुका है कि मुस्कुराहट इंसान की बहुत बड़ी ताकत है। सिर्फ ताकत ही नहीं है, मुस्कुराने के अनगिनत फायदे भी हैं, चाहे हम उन फायदों को जानें या ना जानें।

तनाव-गुस्सा हो जाए गायबः आप बहुत तनाव या गुस्से में हों और किसी वजह से आप में हल्की सी मुस्कुराहट तैर जाए, तो समझिए कि आपका 50 फीसदी तनाव तो मुस्कुराहट के तैरने के साथ ही गायब हो जाएगा। दरअसल, एक छोटी से छोटी मुस्कुराहट भी हमारे न्यूरोपेप्टाइड्स के स्राव सक्रिय कर देती है और इससे तुरंत डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर का तंत्र भी झनझना जाता है, जिस कारण ना सिर्फ तुरंत हमारा मूड बेहतर होता है बल्कि हम कहीं ज्यादा चैतन्य और सक्रिय हो जाते हैं, जिससे हमारा व्यवहार ज्यादा सकारात्मक और आत्मीय हो जाता है। मुस्कुराहट सिर्फ हमारा तनाव ही कम नहीं करती बल्कि हमारे शरीर का रक्तसंचार भी बेहतर करती है। क्योंकि इससे हमारे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है। अगर हमारी मुस्कुराहट स्वाभाविक या प्राकृतिक नहीं है बल्कि कोशिशन है, तो इसके भी हमें फायदे मिलते हैं। विज्ञान साबित कर चुका है कि मुस्कराने से हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। इससे हमारे काम करने का ढंग प्रभावी हो जाता है। मुस्कुराहट हमारे शरीर में किसी भी किस्म के दर्द को कम या खत्म करती है, क्योंकि मुस्कुराने से हमारा शरीर एंडोर्फिन जैसे प्राकृतिक दर्द निवारक रिलीज करता है। हम यह भी ना भूलें कि मनोवैज्ञानिक ही नहीं ब्यूटी एक्सपर्ट भी इस बात को तथ्यात्मक रूप से मान चुके हैं कि मुस्कुराने से हम खूबसूरत दिखते हैं। मुस्कुराने से कुरूप से कुरूप व्यक्ति भी खूबसूरत नजर आता है।

मूड बन जाए बेहतरः समझने वाले को इशारा काफी है कि अगर स्वस्थ रहना चाहते हैं, जीवन में सकारात्मक रहना चाहते हैं तो जितना हो सके मुस्कुराहट का दामन थामे रहें। क्योंकि मुस्कुराहट हमारे मूड और स्वास्थ्य को हमेशा बेहतर बनाती है। यह किसी एक मनोवैज्ञानिक या शरीर वैज्ञानिक का दावा नहीं है बल्कि लाखों वैज्ञानिकों की लंबे समय तक की गई समीक्षाओं का निष्कर्ष है। सच पूछा जाए तो मुस्कुराहट किसी शख्स की सबसे बड़ी ताकत होती है।

दूसरों को मिलती है खुशीः मुस्कुराहट सिर्फ खुद को ही अनगिनत फायदे नहीं देती बल्कि यह दूसरों को भी मालामाल करती है। मुस्कुराने से सिर्फ आपका ही दिन नहीं बनता बल्कि यह दूसरों का भी दिन बना सकती है। निश्चित रूप से मुस्कुराहट एक ऐसी अनैच्छिक प्रतिक्रिया है, जो हमें खुशी देती है। अगर हम जान-बूझकर या कहें किसी नाटक के तहत भी मुस्कुराते हैं, तो उस मुस्कुराहट के भी नकारात्मक नतीजे नहीं निकलते बल्कि उससे भी फायदा ही होता है। मुस्कुराहट एक ऐसा संक्रामक प्रभाव है कि अगर हमारे इर्द-गिर्द कोई मुस्कुराता है, तो उसका भी हम सबको फायदा मिलता है यानी मुस्कुराने वाला और जिसके लिए मुस्कुराया जाए, सिर्फ उसे ही नहीं, अगर हम मुस्कुराने वालों के इर्द-गिर्द भी मौजूद हों, तो हमें भी उस मौजूदगी का लाभ होता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मुस्कुराना हम सभी की रोजमर्रा की जिंदगी में कितना फायदेमंद है।

जीते हैं लंबी जिंदगीः मुस्कुराहट के अनगिनत फायदे हैं, चाहे इसे जिस तरीके से विश्लेषित किया जाए। चाहे जैविक आधार पर देखा जाए, चाहे सामाजिक आधार पर समझा जाए और चाहे करियर या कारोबार में सफलता के तौर पर व्यक्त किया जाए। अगर हम जैविक रूप में देखें तो पाते हैं कि जिन लोगों को बात-बात पर मुस्कुराने और ज्यादातर मौकों पर खुश रहने की आदत होती है, वे ऐसे किसी भी व्यक्ति से ज्यादा जीते हैं, गुस्सा जिनकी नाक पर बैठा होता है और जो जिंदगी में ज्यादातर समय दुखी रहते हैं, छोटी सी बात पर परेशान हो जाते हैं, डल हो जाते हैं। ऐसे लोगों के मुकाबले जिंदगी को मुस्कुराकर गुजारने वाले चुनौतियों का मुस्कुराकर मुकाबला करने वाले लोग कहीं ज्यादा जीते हैं और इसका बहुत साधारण सा कारण है। जब हम मुस्कुराते हैं या हमारे सामने मौजूद कोई शख्स मुस्कुराता है तो उसकी मुस्कुराहट से या हमारी अपनी मुस्कुराहट से हमारा मूड बदल जाता है और हम लंबे समय तक सकारात्मक रहते हैं।

निखरती है सोशल इमेजः खुश होना, सकारात्मक रहना, स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए मुस्कुराने वाले लोग लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन पाते हैं। अगर हम दिन में कम से कम एक बार मुस्कुरा लें तो हमारे दिन भर का काफी हद तक तनाव खत्म हो जाता है। चेहरे की भाव भंगिमाएं, खूबसूरत और सकारात्मक हो जाती हैं, जिस कारण हम जिससे मिलते हैं, उसे तो अच्छा लगता ही है, हमें भी अच्छा लगता है, क्योंकि हम जिससे मिलते हैं, वह व्यक्ति हमसे अच्छा व्यवहार करता है। दिन भर में एक या दो बार भी अगर हम दिल से मुस्कुरा लें, तो हमारी सारी थकान खत्म हो जाती है। हम अभिभूत से दिखने लगते हैं। इससे हमारी सोशल इमेज निखरती है। लब्बोलुआब यह कि मुस्कुराना हमारी हमारी सफलता, हमारी खुशी का सबसे बड़ा सबूत होती है। *

मुस्कुराहट के प्रकार

वैसे मुस्कुराहटें तीन तरह की होती हैं। पहली तरह कि मुस्कुराहट एक ऐसी सौम्य मुस्कुराहट होती है, जो स्वीकृति, खुशी, संतोष और अनगिनत दूसरे सकारात्मक भावों को व्यक्त करती है। दूसरे किस्म की मुस्कुराहट वह होती है, जिससे हमें बल मिलता है, भरोसा मिलता है, अपनापन महसूस होता है, करुणा और सामाजिक जुड़ाव की उम्मीद बंधती है। लेकिन एक वर्चस्व की मुस्कान भी होती है या इसे चाहें तो हम प्रभुत्व की मुस्कुराहट भी कह सकते हैं। भगवान कृष्ण जब दुर्योधन की बड़ी-बड़ी डींगों पर हल्के से मुस्कुरा देते हैं, तो वह मुस्कुराहट दुर्योधन के सारे दावों पर पानी फेरना होता है। यह प्रभुत्व की मुस्कुराहट है। इस मुस्कुराहट से हम दूसरे को खारिज करते हैं, अपनी श्रेष्ठता दर्ज करते हैं और कभी-कभी ऐसी मुस्कुराहट से हम अपने अंदर की घृणा को भी व्यक्त करते हैं।

युवा पीढ़ी समझती है वैवाहिक बंधन की महत्ता

विवाह का बंधन, ऐसा जुड़ाव है, जो दो इंसानों, परिवारों को ही नहीं जोड़ता, सामाजिक संस्कारों को भी आगे बढ़ाता है। आज की युवा पीढ़ी इस बंधन की महत्ता को अच्छी तरह समझती है। इस जुड़ाव को प्रगाढ़ बनाने में करवा चौथ जैसे पर्व बड़ी भूमिका निभाते हैं।

करवा चौथ विशेष

{ रिलेशनशिप }

डॉ. मोनिका शर्मा

एक स्त्री-पुरुष के मन-जीवन का गठजोड़ शादी का रिश्ता, समाज की बुनियाद को मजबूती देता है। भविष्य की पीढ़ियों का आधार और पुरानी पीढ़ी को थामे रखने वाला सहारा बनता है। हमारे देश में विवाह संस्कार को पूरे समाज की ही बुनियाद माना जाता है। यही कारण है कि डिजिटल जुड़ाव से लेकर दुनियावी बदलाव तक, शादी से जुड़े बहुत से रंगों को नहीं बदल सके हैं। अच्छी बात यह है कि बहुत से युवा आज भी परंपरागत रीति-रिवाज से ना केवल शादी करने में बल्कि उसे निभाने में भी विश्वास रखते हैं। करवा चौथ जैसे पर्व, पति-पत्नी के मनोभावों के जुड़े रहने की भावना को और प्रगाढ़ करते हैं।

बरकरार है जिम्मेदारी का भावः दुनिया के हर समाज में युवा पीढ़ी सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की वाहक होती है। ट्रेडिशनल रंग-ढंग लिए इन वैल्यूज को उनकी शादी-शुदा जिंदगी अगली पीढ़ी तक लेकर जाती है। दो इंसानों का आपसी स्नेह, संस्कारों की धरोहर भी सहेजता है। सुखद है कि युवा पीढ़ी अब परिवार की महत्ता समझ रही है। कमोबेश हर मोर्चे पर लाइफस्टाइल से जुड़े बदलावों को जीने वाली नई पीढ़ी में पारिवारिक जीवन की अहमियत समझने का भाव भी साफ दिखता है। हमारी परंपरागत और सांस्कृतिक जीवनशैली से जुड़े भाव-चाव को संवारते-संभालते युवा, परिवार तंत्र को बनाए रखने से जुड़े विश्वास को बल देते हैं। दुनिया के हर हिस्से में ही शादी-शुदा जीवन में आ रहे अलगाव और बिखराव से बचने के लिए जज्बाती बंधनों को बनाए रखने की सोच दुनिया भर में सराही जाती है। प्रोफेशनल, पर्सनल, रिश्ते-नातों और मनोभावों से जुड़ी हर जद्दोजहद के बीच भी यंग जनरेशन का विवाह के संबंध में भरोसा बने रहना, पूरे समाज के लिए सुखद है। कुछ समय पहले सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी से जुड़े पब्लिक फाउंडेशन-ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी सर्वेक्षण में सामाजिक-आर्थिक मुद्दों की एक श्रंखला को कवर करने वाली स्टडीज में सामने आया था कि हमारे यहां बड़ी संख्या में युवा परंपरागत ढंग से वैवाहिक बंधन में बंध रहे हैं। शादी डॉट कॉम द्वारा करवाया गया एक अध्ययन भी बताता है कि भारत में शादी को इमोशनल और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी से जोड़कर देखे जाने की सोच है। जीवन भर के साथ में ठहराव और लगाव के मायने समझने वाले युवा आज भी परिवार और जीवनसाथी के प्रति जिम्मेदारी का भाव रखते हैं। यही सोच शादी के बंधन में बिखराव नहीं आने देती है।

साथ बने रहने की सोचः हमारे देश में आज भी डाइवोर्स का प्रतिशत बहुत कम है। भारत में तलाक की दर अब भी दुनिया की तुलना में केवल 1 प्रतिशत है। आज भी परिजन हों या खुद यंग कपल्स, छोटी-मोटी उलझनों को रिश्ता टूटने का कारण नहीं बनने देते। साथ रहते-जीते हुए सब कुछ सहज और मनचाहा नहीं हो सकता, यंग जनरेशन की ऐसी समझ वाकई सुखद है। दुनिया के हर हिस्से में बढ़ रहे डाइवोर्स केसेस के बीच भारत में बड़ी संख्या में युवक और युवतियां वैवाहिक संबंधों को लेकर बहुत सकारात्मक सोच रखते हैं। यह सोच उनके घर-परिवार से जुड़े रहने की सोच का ही एक पहलू है। फैमिली से जुड़े रहने से ना केवल समय के साथ बढ़ती उलझनों को सुलझाने में पैरेंट्स की सलाह-समझाइश मिलती है बल्कि शादी-शुदा जिंदगी में सम्मानजनक व्यवहार को भी बल मिलता है। इससे पारिवारिक माहौल में बहुत पॉजिटिव बदलाव आ रहे हैं। एक ओर लव मैरिज से जुड़े बच्चों के फैसले अभिभावक खुशी-खुशी स्वीकार करने लगे हैं तो दूसरी और बहुत से बच्चे भी लाइफ पार्टनर को लेकर पैरेंट्स के चुनाव को अहमियत देते हैं। यह शेयरिंग-केयरिंग का पहलू पूरे फैमिली सिस्टम को थामने वाला है।

जीवन संवारने वाला भरोसाः कुछ समय पहले स्टैटिस्टिक्स ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए एक अध्ययन में सामने आया था कि अरेंज मैरिज में डाइवोर्स की दर सिर्फ 6 प्रतिशत है। इसी आंकड़े के रेफरेंस देते हुए भारत के 60 प्रतिशत युवाओं ने खुद को अरेंज मैरिज के पक्ष में बताया। सुखद यह है कि ट्रेडिशनल लाइफस्टाइल से जुड़ी यह सोच युवाओं को आज के दौर में मन और शरीर से जुड़ी बहुत सी परेशानियों से भी बचाने वाली है। सार्थक बदलाव के साथ इस भाव और विश्वास की बुनियाद को पक्का करने वाले करवा चौथ जैसे पर्व भी मन के मेल को और बढ़ाने वाले ही हैं। अपने परिवार और साथी की कुशल कामना से जुड़े ऐसे त्योहार, थोड़ा ठहर कर यह सोचने का परिवेश बनाते हैं कि हमारे समाज में शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, दो परिवारों का गठजोड़ है। इससे आपसी भावनात्मक संबंधों में प्रगाढ़ता आती है, समय के साथ बढ़ती जाती है। *

{ दोहे }

केदार शर्मा 'निरीह'

प्रियतम का यूं साथ हो...

धरती पर रस बरसता, कर तम का अवसान।
मन तम को हर लीजिए, हर करके अज्ञान।।
जल बिच खिलती कुमुदनी, चढ़ती ज्यों परवान।
प्रियतम का यूं साथ हो, मांग रही वरदान।।
धरती की कर परिक्रमा, करा नेह का भान।
मेरे प्रियतम संग मैं, करती हूं गुणगान।।
भावों की जलधार से, अर्घ्य का कर दान।
किरण आपकी उतर कर, हरे मनस अज्ञान।।
जीवन झरने सा बहे, प्रियतम के संग-साथ।
छाया हो या धूप हो, रहे हाथ में हाथ।।
सारस संगी सारसी, जैसे आठों याम।
हरिन संग में हरिप्रिया, रमा संग ज्यों राम।।
गिरिजा का ज्यों संग है, गिरिजापति के साथ।
ऐसे साजन साथ दें, सुनिए तारक नाथ।।
युगों युगों से दे रहे, धरती को अवदान।
विनती तारक नाथ से, दें सुहाग सम्मान।।

{ लघुकथाएं }

वचन

प्रवीण को वह करवा चौथ आज भी याद है। जब पत्नी अस्पताल में भर्ती थी। उसके पैर में फ्रेक्चर हो गया था। वह शाम को अपने बिस्तर पर उदास लेटी हुई थी। प्रवीण ने कहा, 'तुम्हारा ऑपरेशन सफल हो गया है फिर क्यों चेहरा लटका रखा है? सुख-दुख तो जीवन में आते-जाते रहते हैं। इसी को ही तो जीवन कहते हैं।'

पत्नी दुखी मन से बोली, 'मुझे अपनी चिंता नहीं है।'

'तो किसकी चिंता है?' प्रवीण ने पूछा।

पत्नी की आंखें नम हो आईं, बोली, 'कल करवा चौथ है और मैं आपकी लंबी उम्र के लिए उपवास भी नहीं रख सकूंगी। बस यही चिंता सता रही है। ईश्वर ने मेरे साथ कितना बुरा किया है।' 'अरे ईश्वर को क्यों कोसती हो...तुम्हें याद है, जब अपनी शादी के फेरे हुए थे तो पंडित जी ने एक-दूसरे का साथ देने के लिए सात वचन करवाए थे। उस समय मैंने भी कहा था, मैं हमेशा तुम्हारे सुख-दुख में सदा साथ रहूंगा। आज शायद वो वचन निभाने का समय आ गया है।' प्रवीण ने पत्नी की हिम्मत बंधाई। पत्नी चौंकी, 'वचन...! करवा चौथ पर कौन-सा वचन निभाओगे?'

'जब तुम मेरी दीर्घायु की कामना करने के लिए पिछले तीस बरसों से करवा चौथ का व्रत करती आई हो... तो कल मैं...।' प्रवीण कुछ और कहता, इससे पहले पत्नी बीच में ही बोली, 'तो कल मैं का क्या मतलब...?' 'कल मैं तुम्हारी दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य की मन्नत के साथ करवा चौथ का व्रत रखूंगा और तुम्हारे दर्शन करके ही अन्न-जल ग्रहण करूंगा।' प्रवीण पत्नी का हाथ अपने हाथों में लेकर बोला।

यह सुनकर पत्नी के आंखों में आंसू छलक आए। *

– गोविंद भारद्वाज

सम्मान

आज आकाश जी खुशी से फूले नहीं समा रहे थे, उनके बेटे अमित ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान जो प्राप्त किया था।

आकाश जी बैंक में वरिष्ठ प्रबंधक हैं। उनकी पत्नी प्रभा घरेलू महिला हैं। वह सुबह से ही घर सजाने में व्यस्त थीं। आज मीडिया वाले अमित का इंटरव्यू लेने आने वाले थे। 'मां आप भी तैयार हो जाएं, मीडिया वाले आपसे भी बात करेंगे।' अमित अपनी मां के गले में प्यार से हाथ डालते हुए बोला।

'इन्हें तैयार-वैयार होने की कोई जरूरत नहीं है।' एकाएक आकाश जी बीच में ही बोल पड़े, फिर वह प्रभा की ओर मुखातिब हुए, 'और हां, तुम उन लोगों के सामने आना भी मत। तुम्हें पढ़ाई-लिखाई की बात कहां समझ में आती है। मीडिया वालों के सामने कोई ऊंटपटांग जवाब दे दिया तो भद्द पिट जाएगी।'

आकाश जी की बात सुनकर प्रभा का सारा उत्साह ठंडा पड़ गया। पहली बार उन्हें अपने पति की बात शूल की तरह चुभी थी। ऐसा भी नहीं था कि अनपढ़ होने का तंज उन्होंने पहली बार सहा हो, या इससे पहले कभी उन्हें बच्चों की परवरिश को लेकर पति ने कोई टिप्पणी ना की हो।

तभी दरवाजे की घंटी बजी। मीडिया वाले आ गए थे। आकाश जी आदर के साथ उन लोगों को अंदर लाए। अमित के इंटरव्यू का सिलसिला शुरू हुआ। कई सवाल पूछे जाने के बाद अचानक एक रिपोर्टर की नजर पर्दे की आड़ में से झांक रही किसी महिला पर पड़ी। उसने बरबस अमित से पूछ लिया, 'वे शायद आपकी माता जी हैं, उन्हें तो बुलाइए जरा।'

'अरे, नहीं-नहीं, वो तो हमारी रिश्तेदार हैं। अमित की मां तो मंदिर गई हुई हैं।' आकाश जी ने साफ-साफ झूठ बोल दिया। 'नहीं, यह मेरी मां हैं, पापा झूठ बोल रहे हैं। दरअसल, मेरी मां कम पढ़ी-लिखी हैं, इसलिए पापा उन्हें कभी किसी से नहीं मिलवाते, लेकिन मेरी मां मेरी प्रेरणा हैं। आज तक मैंने जो भी मुकाम हासिल किया है, वह सिर्फ और सिर्फ अपनी मां की वजह से प्राप्त किया है। अगर मां मेरा साथ ना देतीं तो मैं कब का हार मान चुका होता। जब भी मेरी लगन-मेहनत में कमी होती, मां ही मुझे संभालतीं। मेरी मां के विश्वास ने ही मुझे मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और आज मैं इतनी बड़ी सक्सेस पा सका हूं।' कह कर अमित अपनी मां का हाथ पकड़ कर बैठक में ले आया। उसने मां को अपने पापा के पास वाली कुर्सी पर बैठा दिया।

प्रभा की आंखें खुशी से छलक आई थीं। आज उसके बेटे ने उन्हें बहुत बड़ा सम्मान दिलाया था। *

–शीला श्रीवास्तव

{ पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण }

इंद्रप्रस्थ भारती का रामदरश मिश्र विशेषांक

अनेक विधाओं के लेखन में सिद्धहस्त, कई पुरस्कारों से सम्मानित सात-आठ दशकों से निरंतर रचनारत वयोवृद्ध साहित्यकार रामदरश मिश्र का यह जन्मशती वर्ष चल रहा है। इस अवसर पर उन पर केंद्रित इंद्रप्रस्थ भारती पत्रिका का जुलाई-अगस्त अंक, विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक ना केवल पठनीय अपितु संग्रहणीय भी बन पड़ा है क्योंकि इसमें हम ना केवल रामदरश जी की रचनाशीलता के विभिन्न आयामों से परिचित हो सकते हैं, उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को कई लेखकों के नजरिए से समझ भी सकते हैं। पत्रिका के पहले खंड में वरिष्ठ लेखक प्रकाश मनु और ओम निश्चल ने भरपूर भावुकता से मिश्र जी के साथ अपनी स्मृतियों को साझा किया है तो उनकी पुत्री स्मिता मिश्र की अनुभूतियां भी मार्मिक हैं। दूसरे खंड में मिश्रजी के रचना संसार का एक झरोखा खुलता है। इसमें उनकी कुछ कहानियां, कुछ कविताएं, आत्मकथा के अंश, डायरी के अंश और निबंध पढ़ सकते हैं तो तीसरे खंड में प्रेम जनमेजय, पल्लव, नीलम चतुर्वेदी, वेदमित्र शुक्ल और केशव मोहन पांडे समेत एक दर्जन से अधिक लेखकों ने रामदरश जी की बहुविध रचनाशीलता की महत्ता को रेखांकित किया है। *

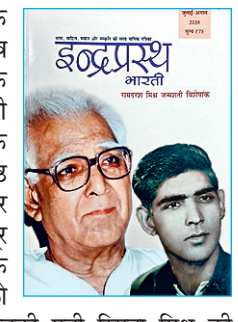

पत्रिकाः इंद्रप्रस्थ भारती (जुलाई-अगस्त 2024, रामदरश मिश्र जन्मशती विशेषांक), संपादकः संजय कुमार गर्ग, मूल्यः 75 रुपए, प्रकाशकः हिंदी अकादमी, दिल्ली

तापमान

अधिकतम 30.2 डिग्री

न्यूनतम 24.6 डिग्री

हरिभूमि

महासमुंद भूमि

रायपुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024

सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

14 विभाग स्तरीय संस्कृति महोत्सव में तीन जिलों...

14 महाविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय गरीबी...

श्री शिवम् ट्रॉली

हमारी ट्राली में उपयोग किया जाने वाला पूरा एंगल, चैनल, प्लेट, उच्च गुणवत्ता प्रमाणित स्टील है...

श्री शिवम् एग्रोटेक

ग्राम-लभरा खुर्द, बीज निगम कार्यालय के पास, महासमुंद

-: संबंधित फार्म :-

चंद्राकर बोरवेल्स एवं इंजीनियरिंग, महावीर इंजि.वर्क्स

प्रो. इयन चंद्राकर मो. 94252-15458, 7024733922/ गौरव चंद्राकर मो. 94252-05007

कार्रवाई: कस्टम मिलिंग का चावल जमा नहीं करने पर प्रशासन ने बरती सख्ती

भौतिक सत्यापन में नहीं मिला सरकारी धान, दो मिलर को किया ब्लैक लिस्टेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

कस्टम मिलिंग के चावल के लिए किए गए धान के उठाव का पर्याप्त भंडारण नही मिलने पर जिला प्रशासन द्वारा जिले के बागबाहरा क्षेत्र के दो मिलरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। दरअसल, हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा मिलर्स की बैठक लेकर वर्ष 2023-24 मे उपार्जित धान की कस्टम मिलिंग के चावल जमा करने की समीक्षा की थी। जिसके बाद चावल जमा नही करने वाले मिलरों के यहां भौतिक सत्यापन कराए जाने के निर्देश जिला कलेक्टर ने दिए थे।

इसी तारतम्य में खरीफ वर्ष 2023-24 में मेंसर्स जय चंडी एग्रोटेक राईस मिल तहसील बागबाहरा, महासमुंद के संचालक द्वारा कस्टम मिलिंग का चावल जमा नहीं किया गया। भौतिक सत्यापन खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा किये जाने के दौरान 124 विंवटल शासकीय धान कम पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय कलेक्टर द्वारा राईस मिल मेसर्स जय चंडी एग्रोटेक बागबाहरा संचालक बजरंग अग्रवाल द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ महासमुंद में मिलर द्वारा जमा किए गए बैंक गारंटी से 124 क्विंटल धान की एवज में राशि तीन लाख दस हजार जिला विपणन अधिकारी जिला द्वारा तत्काल वसूली की कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए तथा छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के तहत कार्रवाई करते हुए फर्म मेसर्स जय चंडी एग्रोटेक बागबाहरा संचालक बजरंग अग्रवाल को आगामी एक खरीफ वर्ष के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान के कस्टम मिलिंग के कार्य के लिए मिल का पंजीयन नहीं करने के लिए काली सूची में दर्ज किया गया है। इसी प्रकार खरीफ वर्ष 2023-24 में मेसर्स लक्ष्मी राइस इण्डस्ट्रीज तहसील बागबाहरा जिला महासमुंद के संचालक द्वारा कस्टम मिलिंग का चावल जमा नहीं किया गया। जिसके संबंध में कलेक्टर लंगेह के निर्देश पर राइस मिल का भौतिक सत्यापन खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा किए जाने पर 1681.60 क्विंटल शासकीय धान कम पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय कलेक्टर महासमुंद द्वारा राइस मिल मेसर्स लक्ष्मी राइस इंडस्ट्रीज तहसील बागबाहरा संचालक दिनेश कुमार गुप्ता द्वारा खरीफ वर्ष 2023-24 में कस्टम मिलिंग के लिए धान का उठाव करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ महासमुंद में मिलर द्वारा जमा किए गए बैंक गारंटी से 1681.60 क्विंटल धान की एवज में राशि बयालीस लाख चार हजार रुपए जिला विपणन अधिकारी द्वारा तत्काल वसूली की कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिया गया है तथा छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के तहत कार्रवाई करते हुए फर्म मेसर्स लक्ष्मी राइस इंडस्ट्रीज संचालक दिनेश कुमार गुप्ता को आगामी एक खरीफ वर्ष के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान के कस्टम मिलिंग के कार्य के लिए मिल का पंजीयन नहीं करने के लिए काली सूची में दर्ज किया गया है।

18 मिलरों ने 50 प्रतिशत धान भी नही किया जमा

जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के तहत समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान की कस्टम मिलिंग के बाद 523324 मीट्रिक टन चावल भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) में जमा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके विपरीत अब तक जिले के 197 पंजीकृत राईस मिलर्स द्वारा 379272 मीट्रिक टन चावल ही जमा किया। इस संबंध में कलेक्टर लंगेह ने 16 मिलर्स द्वारा भारतीय खाद्य निगम के गोदाम में चावल जमा करने के लिए स्टेक आबंटित कराने के बावजूद 15 दिन से अधिक समय में चावल जमा न करने साथ ही जिले के 18 राइस मिलर्स द्वारा जमा योग्य चावल की मात्रा का 50 प्रतिशत से कम चावल जमा किया।

करवा चौथ आज, भद्रा का साया 21 मिनट तक, मार्केट में महिलाओं की रही भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

विवाहित महिलाओं द्वारा रखे जाने

वाले करवा चौथ का व्रत आज रखा जाएगा। इसके चलते बाजार में रौनक बढ़ गई है। करवा चौथ पति-पत्नी के बीच के प्रेम को दर्शाने वाला बेहद निष्ठा पूर्ण और श्रद्धाभाव से उपवास रखने वाला त्यौहार है। इस त्यौहार को देश में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। प्राचीन काल से महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत करती आ रही है। करवा चौथ से पहले नगर में स्थित सराफ बाजार सहित जिले और अन्य क्षेत्रों के बाजारों में रौनक बढ़ी है। नगर के बाजार में इन दिनों बड़ी संख्या में महिलाएं खरीदारी करने पहुंची। अपने पसंद की सौंदर्य प्रसाधन करने महिलाओं की भीड़ उमड़ता रही। रेडिमेड, ज्वेलर्स दुकानों में भी खरीदार पहुंचे। वहीं नगर के ब्यूटी पॉर्लर में भी महिलाओं की भीड़ रही। फैंसी के संचालक ने बताया कि करवा चौथ का सामान खरीदने के लिए महिलाएं बाजार पहुंची । महिलाएं करवा चौथ पर परंपरागत परिधान पसंद करती है, लेकिन साड़ी और चुनरी की भी बिक्री बढ़ी है। फैंसी स्टोर मनिहारी सामान की कीमतें पिछले साल की तुलना में बढ़ी है। इस साल करवा चौथ पर भी भद्रा का साया रहेगा।

भद्रा लगने का समय

कहा जाता है कि भद्रा शुभ कार्यों में बाधा उत्पन्न करती है। इस वर्ष करवा चौथ पर 20 अक्टूबर को 21 मिनट तक भद्रा का साया रहेगा। करवा चौथ के दिन पूजा का शुभ समय 20 अक्टूबर 2024 को शाम 5:46 बजे से शुरू हो रहा है। करवा चौथ के दिन भद्रा सुबह 6:24 से 6:46 तक रहेगा। करवा चौथ व्रत की शुरुआत भद्रा काल शुरू होने से पूर्व ही हो जाएगी।

करवा चौथ पर पूजा का करने का मुहूर्त

करवा चौथ पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 05:46 से 07:02 तक रहेगा। जबकि व्रत का समय सुबह 6:25 से शाम 7:54 तक रहेगा। करवा चौथ पर चंद्र उदय का समय शाम 7 बजकर 54 मिनट का है।

पाठक सूचना

महासमुंद जिले में हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो। एवं समाचार पत्र की प्रतियां, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें

9981131365, 9098324969

खबर संक्षेप

सर्व ब्राह्मण समाज महिला मंच ने मनाई शरद पूर्णिमा

रायपुर। सर्व ब्राह्मण समाज महिला मंच की पदाधिकारियों ने रायपुरा स्थित शिखा सदन में शरद पूर्णिमा का आयोजन किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्रा की उपस्थिति में चांदनी रात में चंद्रमा की शीतलता से अमृत वर्षा पश्चात खीर-पूरी व अन्य लजीज व्यंजनों के साथ शरद उत्सव का आनंद लिया। सुधा शर्मा के भजन को काफी सराहा गया। संचालन महादेवघाट परिक्षेत्र अध्यक्ष रत्ना शर्मा तथा शारदा मिश्रा ने किया। आभार रायपुरा अध्यक्ष शिखा शर्मा ने व्यक्त किया। आयोजन में मुख्य रूप से रत्ना शर्मा, वीणा तिवारी, शारदा मिश्रा, सुधा शर्मा, सुनंदा दुबे, वैजयंती चतुर्वेदी, कविता शर्मा, निशा दुबे, शशि पांडे, शिवम शर्मा, रुक्मिणी पांडे शामिल रहीं।

राजधानी ड्रायक्लीनर्स को उत्कृष्ट पुरस्कार

रायपुर। सफल लॉन्ड्री संचालन के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के इन्फेक्शन कंट्रोल बोर्ड ने राजधानी ड्रायक्लीनर्स संस्थान को उत्कृष्ट पुरस्कार दिया है, जिसे संचालक सूरज निर्मलकर ने ग्रहण किया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि मेडिसिन विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजीव लोचन खरे, अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी, अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर के निर्देशन में प्रतिभावान लोगों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक मुखिया देवांगन समाज के अध्यक्ष चोवाराम देवांगन, धोबी समाज के प्रदेश सचिव पीसी निर्मलकर को भी अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों को अस्पताल संचालन में सहयोग देने के लिए और जागृत करने के लिए सम्मानित किया गया।

व्यापारी कल्याण बोर्ड अध्यक्ष से चैंबर अध्यक्ष ने की भेंट

रायपुर। चैंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी से मुलाकात कर जीएसटी सरलीकरण, एमएसएमई उद्योग, वित्तीय सेवाओं एवं व्यवसाय से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान, शिक्षा के लिए सुझाव संबंधी ज्ञापन सौंपा। महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि व्यापारियों में जीएसटी को लेकर आ रही कानूनी और तकनीकी परेशानियों के संबंध में तथा जीएसटी के सरलीकरण एवं युक्तियुक्त करने तथा एमएसएमई उद्योगों के सुदृढ़ीकरण, वित्तीय सेवाओं, लेखाकर्म के छात्रों को व्यवसाय से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान, शिक्षा के लिए व्यापारियों द्वारा दिए सुझावों को प्रमुख रूप से चैंबर ने सूचीबद्ध किया।

अपराध नियंत्रण के लिए हो सख्ती, साइबर अपराध रोकने दिखाएं तत्परता-सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री ने गृह विभाग के कामकाज की समीक्षा की

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि हर हाल में कानून और व्यवस्था बहाल रखनी चाहिये। पुलिस त्वरित कार्यवाही करे और चौकन्नी रहे। खास बात ये है कि मुख्यमंत्री ने साइबर अपराधों को गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों में पुलिस को सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत बनाएं

दुकानें, होटल निर्धारित समय पर बंद होने चाहिए

रेल्वे स्टेशन, बस स्टैण्ड, हवाई अड्डों के साथ ही संवेदनशील इलाकों में नियमित रूप से पुलिस की पेट्रोलिंग होती रहनी चाहिए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल, दुकानों, होटलों आदि रात्रि के समय पर निर्धारित समय पर बंद होनी चाहिए। बियर बार एवं होटल निर्धारित समय पर बंद हो ऐसे होटल जहां शराब की अवैध बिक्री की शिकायत मिलती है उन पर सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सायबर क्राईम को रोकने के लिए तत्परता से प्रभावी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर मुख्य सचिव अमिताभ जैन,अपर मुख्य सचिव गृह मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

तत्परता से काम करने के निर्देश दिए हैं। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय स्तर पर होने वाली घटनाओं पर पुलिस की पैनी नजर होनी चाहिए और इन घटनाओं के संभावित परिणाम पर भी विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधों को रोकने के लिए नशे के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया जाए। गांजा, अवैध शराब, ड्रग्स की तस्करी पर मुस्तैदी से कार्यवाही हो। श्री साय ने कहा कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि में पुलिस की गश्त नियमित रूप से होनी चाहिए। पुलिस के आला अफसर भी अनिवार्य रूप से पेट्रोलिंग करें।

चांदी एक लाख की राह पर, अभी कीमत 95 हजार

इस धनतेरस सोना 80 हजारी सालभर में 17 हजार बढ़े दाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सोने और चांदी की कीमत ने इस साल ऐसी रफ्तार पकड़ी है जैसी पहली कभी नहीं पकड़ी थी। इतिहास में पहली बार सोना अब 80 हजारी हो गया है। इस बार धनतेरस पर ग्राहकों को सोना खरीदने के लिए बीते साल से 17 हजार रुपए दस ग्राम पर ज्यादा देने होंगे। बीते साल धनतेरस पर सोना 63 हजार रुपए था। इसके और पहले 2022 की बात करें, तो सोना उस समय 50 हजार रुपए था। यानी दो साल में कीमत में 30 हजार का इजाफा हुआ है।

इसी के साथ इस बार चांदी की कीमत में भी आग लगी है। अभी चांदी एक लाख तक तो नहीं पहुंच सकी है, लेकिन संभावना है कि धनतेरस तक यह एक लाख के आसपास पहुंच जाएगी। ऐसे में सोना और चांदी निवेश के लिए खरे साबित हो रहे हैं। यही वजह है कि अपने प्रदेश में रोज सोने और चांदी में 25 करोड़ का निवेश हो रहा है। इसमें से 20 करोड़ का सोने और पांच करोड़ का चांदी में निवेश हो रहा है। बीते साल भर में सोने की कीमत से तो नए-नए रिकॉर्ड बनाने का काम किया है। इस बार जितनी तेजी से इसकी कीमत में इजाफा हो रहा है, उतनी तेजी से कभी नहीं होता था। करीब दो साल में सोने की कीमत 30 हजार रुपए बढ़ी है। 50 हजार वाला सोना 80 हजार हो गया है। यानी कीमत में 60 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस साल की ही बात करें तो इस साल जनवरी में सोने की कीमत 65300 रुपए थी जो इस समय 80 हजार हो गई है। यानी दस माह में कीमत 15 हजार रुपए बढ़ी है।

चांदी की कीमत एक लाख जाने की संभावना

जहां तक चांदी का सवाल है तो चांदी की कीमत साल के प्रारंभ में 75 हजार रुपए किलो थी जो इस समय 95 हजार पहुंच गई है। वैसे इसके पहले इसकी कीमत 97 हजार तक जा चुकी है। इसकी कीमत एक लाख जाने की संभावना पहले ही थी, लेकिन कीमत वापस कम होने लगी और कीमत बीते माह कीमत 82 हजार तक चली गई। लेकिन वापस अब कीमत बढ़ते-बढ़ते 95 हजार तक पहुंच गई है। संभावना है कि इस बार दीपावली के पहले कीमत एक लाख तक जा सकती है।

सोने-चांदी में 25 करोड़ का रोज निवेश

प्रदेश में राजधानी रायपुर के साथ सभी शहरों को मिलाकर निवेशक रोज करीब 20 करोड़ का सोना निवेश करने के लिए खरीदते हैं। निवेश के लिए खरीदा जाने वाला सोना सिक्कों के साथ बिस्कुट और सिल्ली की शक्ल में होता है। जहां एक ग्राम से लेकर 100 ग्राम तक के सिक्के मिलते हैं। वहीं किलो में लेने के लिए सिल्ली के रूप में मिलते हैं। निवेश के लिए खरीदे जाने वाले सोने को ही बुलियन कहा जाता है। सोने के साथ ही चांदी में भी निवेश किया जाता है। हालांकि इसमें सोने की तुलना में कम निवेश होता है, क्योंकि इसकी कीमत कम होने के कारण इसको बहुत ज्यादा मात्रा में लेना पड़ता है। चांदी में निवेशक रोज करीब पांच करोड़ लगाते हैं।

बूथों पर फोकस करके रायपुर दक्षिण में जीत की कांग्रेस की रणनीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर दक्षिण के उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने भी कमर कस ली है। शुक्रवार को राजीन भवन में हुई बैठक में बूथों पर फोकस करके जीत की रणनीति बनाई गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राष्ट्रीय सचिव एवं सह प्रभारी जरिता लेफतलांग, एआईसीसी के सह-सचिव एवं सह-प्रभारी विजय जांगिड़ की उपस्थिति में दक्षिण विधानसभा के चुनाव के संबंध में दो महत्वपूर्ण बैठक ली। पहली बैठक बूथ कमेटियों के प्रभारियों की तथा दूसरी बैठक दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं की हुई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, दक्षिण विधानसभा में बदलाव की हवा चल रही है। यह चुनाव कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के लिए अवसर है। हम सबको मिलकर इस बार दक्षिण विधानसभा के कांग्रेस को विजयी बनाना है। 20 अक्टूबर को दक्षिण विधानसभा के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन है। हमे एक-एक बूथ में पूरी ताकत से भिड़ना है। भाजपा सरकार की 11 माह की नाकामी इस चुनाव में हमारा सबसे बड़ा मुद्दा है। हमें पूरी एक जुटता से चुनाव लड़ना है और जीतना है। बैठक में पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, पूर्व मंत्री गुरू रूद्र कुमार, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रतिमा चंद्राकर, महापौर एजाज ढेबर, पारस चोपड़ा, शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे सहित वरिष्ठ कांग्रेसी नेता उपस्थित थे।

दक्षिण विधानसभा में निर्वाचक नामावली कार्यक्रम 14 नवंबर तक स्थगित

रायपुर। राजधानी के रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 19 वार्डों में मतदाता सूची में नाम पंजीयन, विलोपन, स्थानातंरण एवं प्रविष्टि में किसी भी प्रकार के आवश्यक संशोधन करने संबंधी निर्वाचक नामावली कार्यक्रम को जिला प्रशासन ने 14 नवंबर तक स्थगित कर दिया है। रायपुर दक्षिण विधानसभा-51 में 13 नवंबर को उपचुनाव के लिए मतदान होना है। इसकी प्रक्रिया शुक्रवार को चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ शुरू हो गई है। उपचुनाव के दौरान मतदाताओं में किसी प्रकार के भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।इसे देखते हुए प्रशासन ने आयोग की सहमति से विधानसभा 51 अंतर्गत आने वाले वार्डों में निर्वाचक नामावली कार्यक्रम को 14 नवंबर तक स्थगित कर दिया है। इस विधानसभा क्षेत्र में 19 वार्ड आते हैं, जिनमें वार्ड संख्या 42 से लेकर 47 तक तथा 56 से लेकर 68 नंबर तक वार्ड शामिल है। इसके बाद इस विधानसभा क्षेत्र में पुनः निर्वाचक नामावली का कार्यक्रम प्रारंभ होगा। नामावली का 18 से 22 नवंबर तक पुनः दावा आपत्ति मंगाकर कर निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 6 दिसंबर को होना है।

भूपेश बोले- प्रदेश में कानून व्यवस्था लगातार हो रही खराब, सभी जिलों में अपराध तेजी से बढ़ रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, प्रदेश में कानून व्यवस्था दिन प्रतिदिन और खराब होती जा रही है। कल ही राजधानी रायपुर में 20 लाख की लूट हो गई। आज 10 करोड़ का सोना पकड़ा गया। भानुप्रतापपुर में तो एक बेरोजगार भाजयुमो नेता के पास उसकी कार में करोड़ों रुपए दिखाई दे रहे हैं। वह कहता है रिश्तेदार का पैसा है, कहीं वो रिश्तेदार किसी मंत्री के यहां पदस्थ तो नहीं है। लगातार सभी जिलों में अपराध तेजी से बढ़ रहा है। हत्या, बलात्कार, लूटपाट, चोरी रोजाना हो रही है। मुख्यमंत्री आज समीक्षा बैठक ले रहे हैं। गृहमंत्री भी इस बैठक में शामिल हुए। श्री बघेल ने कहा, गृहमंत्री अपराध रोकने में असफल रहे। प्रदेश में सरकार में कोई विकास कार्य नहीं कर रही है। 10 महीने हो गए, जो काम चल रहे थे वो भी रुक गए हैं। सरकार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है, सरकार हजारों करोड़ का कर्जा ले चुकी है। श्री बघेल ने कहा कि अभी धान खरीदी सामने है, जब भाजपा विपक्ष में थी तो 1 नवंबर से धान खरीदी करने के लिए बोला करती थी। अब जब भाजपा खुद सरकार में आ गई है, तो धान खरीदी लेट से क्यों कर रही है। पिछले पांच सालों में कांग्रेस की सरकार ने जो काम किया, उसके कारण किसानों की स्थिति में अच्छा परिवर्तन आया और आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। खेत बनाने से लेकर सिंचाई और आधुनिक खेती का काम हुआ। पूर्ववर्ती कांग्रेस के कारण किसानों के जीवन में समृद्धि आई है। यह सरकार 14 नवंबर को धान खरीदी करेगी और 31 जनवरी तक धान खरीदी करेगी। इससे सरकार के नीयत में शक हो रहा है। ऐसा लग रहा है कि सरकार धान खरीदना चाह रही है कि नहीं। इन खरीदी के दौरान लगभग 35 दिनों का सरकारी अवकाश रहेगा। इससे धान खरीदने में परेशानी आएगी। धान खरीदने के लिए सरकार को कम समय मिलेगा।

सरकार चलाने में नाकाम

श्री बघेल ने कहा, साय सरकार, सरकार चलाने में असमर्थ है। चाहे राजधानी हो, न्याय धानी हो, संस्कारधानी हो, अपराध कंट्रोल नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक ली और घटनाओं में लगाम लगाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। सरकार खुद मान रही है कि वह अपराध को नियंत्रण नहीं कर पा रही है। गलती को सुधार नहीं पा रही हैं। मंत्रियों का फोन बड़े पुलिस अफसरों के पास आ जाता है तो पुलिस वाले भी क्या करेंगे। अभी की स्थिति यही है। विधायक ईश्वर साहू के बेटे के खिलाफ एफआईआर कराने में बहुत समय लग गया। वहां तो फोन चले गया तो फिर एफआईआर कहां होगी।

युवा संगम में शामिल होने पंजीयन की अंतिम तिथि 21 तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शिक्षा मंत्रालय के एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत लांच किए गए देश के सबसे प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 'युवा संगम' में पंजीकरण कराने के लिए सिर्फ 4 दिन ही बचे हैं। 21 अक्टूबर तक ही पंजीकरण स्वीकार किए जाएंगे। इसमें 18 से 30 वर्ष तक आयुवर्ग के युवा पेशेवर और विद्यार्थी, जिनमें ऑफ-कैम्पस विद्यार्थी भी शामिल हैं, जो ऑनलाइन/दूरस्थ पाठ्यक्रमों में, कौशल संस्थानों में दाखिला लेते हैं, पंजीकरण हेतु आमंत्रित हैं। देशभर के हजारों युवाओं को अपने राज्य/ केन्द्रीय शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया जा रहा है। यह युवा संगम का पांचवा चरण है। ऑफ-कैम्पस विद्यार्थियों भी पंजीकरण करा सकते हैं, जिन्होंने ऑनलाइन कोर्स, कौशल संस्थान आदि में दाखिला लिया है। विद्यार्थियों एवं युवा पेशेवरों के लिए यह बहुत उत्साहजनक अवसर है।

राजीव वोरा ने कहा- पार्टी ने प्रत्याशी बनाया तो मजबूती से लड़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर दक्षिण के उपचुनाव को लेकर कांग्रेस के दावेदारों में शामिल राजीव वोरा ने अब एक तरफ जहां अपनी दावेदारी से इनकार किया है, वहीं उनका कहना है, अगर पार्टी उनको प्रत्याशी बनाती है, तो मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। उनका कहना है, कांग्रेस में किसी भी तरह की दावेदारी की जरूरत नहीं पड़ती है, तो फिर दावेदारी काहे की। पार्टी खुद से ही योग्य प्रत्याशी को टिकट देने का काम करती है। रायपुर दक्षिण से अब तक भाजपा के बृजमोहन अग्रवाल ही जीतते रहे हैं। अब उनके सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई है। इस पर 13 नवंबर को उपचुनाव होना है। इस बार कांग्रेस में टिकट के लिए थोक में दावेदार हैं। कांग्रेस नेता और इस सीट से मजबूत दावेदार माने जा रहे राजीव वोरा ने अपनी तरफ से जरूर दावेदारी से इनकार किया है लेकिन साथ ही वे कहते हैं कि पार्टी अगर चाहेगी तो वे चुनाव जरूर लड़ेंगे। श्री वोरा ने कहा कांग्रेस पार्टी में टिकट वितरण के लिए पारदर्शी और लोकतांत्रिक सिस्टम है। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट और पीसीसी चीफ दीपक बैज के रहते किसी को दावेदारी की जरूरत नहीं है। पार्टी जीत की क्षमता वाले योग्य प्रत्याशी को टिकट देगी। रायपुर दक्षिण में कांग्रेस की संभावनाओं को लेकर राजीव वोरा ने कहा, पार्टी ने काफी पहले से अपनी तैयारी शुरू कर दी है। विधानसभा के सभी 254 बूथों तक कार्यकर्ता पहुंच चुके हैं। सभी वार्डों के लिए प्रभारियों की तैनाती कर दी गई है। पार्टी पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी। खुद के चुनाव लड़ने को लेकर राजीव वोरा ने कहा, पार्टी अगर अवसर देगी तो पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेंगे। प्रदेश की जनता सरकार के कामकाज से परेशान है। इसका असर चुनाव परिणामों पर दिखेगा, इस बार कांग्रेस की जीत होगी।

■ कांग्रेस में दावेदारी की जरूरत ही नहीं, योग्य प्रत्याशी को ही टिकट देगी पार्टी

पेड़ों की कटाई पर लगे रोक कंपनी के फर्जीवाड़े की हो जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हसदेव अरण्य में परसा कोल ब्लॉक के विरोध में स्थानीय आदिवासी समुदाय ग्राम हरिहरपुर में पिछले ढाई सालों से आंदोलन चल रहा है। 16 अक्टूबर से ही परसा कोल ब्लॉक के साल्ही गांव के जंगलों की कटाई की सुगबुगाहट शुरू हो गई। शाम होते ही पुलिस बल भी आ गया। 17 अक्टूबर की सुबह से बड़ी तादाद में पुलिस बल के संरक्षण में जंगलों की कटाई शुरू हुई। इसे रोकने लोग प्रदर्शन करने लगे, तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इससे गंभीर लोगों को गंभर चोटें आईं। इनमें महिलाएं भी घायल हुई हैं। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को छावनी बना दिया है और बेतरतीब हजारों पेड़ों की कटाई की जा रही है।

दिनदहाड़े 20 लाख की लूट मामले में पुलिस के हाथ अब तक खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुजगहन थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व कमल विहार सेक्टर-15 में रीयल एस्टेट कंपनी के सुपरवाइजर से 20 लाख रुपए लूट के मामले में पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। पुलिस को बदमाशों के बारे में अब तक किसी भी प्रकार का क्लू नहीं मिला है। कमल विहार के आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे होने की वजह से पुलिस को बदमाशों के बारे में सुराग तलाशने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि गुरुवार सुबह 11 बजे के करीब रीयल एस्टेट कंपनी के सुपरवाइजर मनोज ध्रुव के साथ अज्ञात बाइक सवार दो बदमाशों ने लूट की थी। सुपरवाइजर द्वारा बाइक की डिक्की के ऊपर रखकर ले जा रहे नोटों से भरे बैग बदमाश लूट लिए थे। बैग लूटने के बाद बदमाशों ने मनोज को धक्का देकर गिरा दिया था। बाइक से गिरने की वजह से बदमाश किस दिशा में भागे, मनोज उन्हें देख नहीं पाया।

रूट में लगे कैमरे की पड़ताल

पुलिस के अनुसार, घटनास्थल तथा आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हुए हैं। बदमाशों द्वारा रेकी कर लूट करने की बात सामने आ रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए मनोज के निवास बोरियाखुर्द से कमल विहार स्थित अपने ऑफिस आने-जाने के मार्ग में लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल की जा रही है। बदमाश किस बाइक में घटना को अंजाम देने के लिए पहुंचे थे। मनोज इस संबंध में पुलिस को सही ढंग से नहीं बता पा रहा है। लूट की घटना में शामिल बदमाशों के बारे में जानकारी जुटाने पुलिस की अलग-अलग टीमें पचपेड़ीनाका से लेकर संतोषी नगर, सेजबहार तक सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल कर जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है।

आरपीएफ के बाद अब बॉडी-वार्न कैमरे लगाकर ट्रेन में चलेंगे टीटीई

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर।

वॉकी-टॉकी के साथ बिलासपुर रेल मंडल के टीटीई बाडी-वार्न कैमरा लगाकर ट्रेन में ड्यूटी करते नजर आएंगे। इस योजना पर उच्चाधिकारियों के बीच सहमति भी बन चुकी है। बहुत जल्द कैमरे की खरीदी होगी। यह कैमरा एक छोटा रिकार्डिंग डिवाइस है। इसका उपयोग आमतौर पर पुलिस या सुरक्षाकर्मी करते हैं। रेलवे में आरपीएफ को कैमरे दिए गए हैं।

■ योजना लागू करने रेल मंडल ने कवायद की तेज, जल्द कैमरे की होगी खरीदी

यह कैमरा उन घटनाओं को रिकॉर्ड करता है, जिसका सामना अधिकारी या कर्मचारी अपनी ड्यूटी के दौरान करते हैं। टीटीई रेलवे के फ्रंट स्टाफ कहलाते हैं। उनके लिए भी यह बेहद आवश्यक है। उन पर हमेशा यात्रियों से अधिक वसूली, हुज्जतबाजी आदि आरोप लगते हैं। इस आरोप की वजह से कई बार टीटीई निर्दोष होते हुए भी कार्रवाई की जद में आज जाते हैं। ऐसा कई बार हो चुका है।

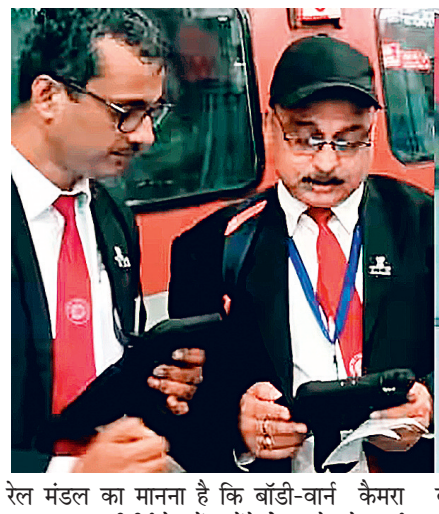

रेल मंडल का मानना है कि बॉडी-वार्न कैमरा लगाकर जब टीटीई ट्रेन में चलेंगे तो पहले इसे स्टार्ट करना होगा। इसके बाद वहां जहां-जहां जाएंगे, सामने की गतिविधियां कैमरे में कैद होती जाएंगी।यह रिकॉर्ड होगा, जिसके सहारे वह लगने वाले आरोपों से बच सकते हैं। इसके साथ ही उनकी सुरक्षा के लिए भी यह जरूरी है।

वॉकी-टाकी व बाडी वार्न कैमरे से टीटीई पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। इसके अलावा उनका लुक भी अलग नजर आएगा।

वॉकी-टॉकी की बढ़ा रहे संख्या

इन उपकरणों से लैस टीटीई से यात्री बेवजह उलझने का प्रयास नहीं करेंगे। बिलासपुर रेल मंडल में ट्रेन में ड्यूटी करने वाले 200 टीटीई वॉकी-टॉकी से लैस करने की योजना है। इसके तहत 150 वॉकी-टॉकी दिए जा चुके हैं। टीटीई अब वॉकी-टॉकी लेकर ड्यूटी कर रहे हैं। इस उपकरण की मदद तब मिलती है, जब ट्रेन ऐसी जगह पर रहती है, जहां नेटवर्क नहीं रहता। नेटवर्क विहीन सेक्शनों में भी टीटीई एक-दूसरे के संपर्क में रहते हैं। इस व्यवस्था से वह खुश हैं। वॉकी-टॉकी योजना की सफलता के बाद अब रेल मंडल बॉडी-वार्न कैमरे देने की तैयारी कर रहा है। बहुत जल्द यह व्यवस्था लागू हो जाएगी।

खबर संक्षेप

सरायपाली एसडीएम ने की अवैध रेत डंपिंग पर कार्रवाई

महासमुंद। बिना अनुमति के डंप किए गए रेत के भंडारण पर जब्ती की कारवाई करते हुए सरायपाली एसडीएम नम्रता चौबे ने शनिवार को ग्राम चट्टीगिरोला में औचक निरीक्षण के दौरान पंचनामा कर जब्ती की कार्रवाई की है। जिले में कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश पर अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर की जा रही सतत कारवाई के तहत मिली जानकारी के अनुसार चंदन अग्रवाल द्वारा निजी जमीन पर 14 घन मीटर के हिसाब से 12 ढेर अर्थात 168 घंन मीटर रेत का अवैध भंडारण किया गया था। साथ ही उसी स्थान से एक हाइवा में रेत का परिवहन करते हुए भी पाया। जिसे भी जब्त कर सिंघोड़ा थाना में अभिरक्षा में रखा गया है। इस दौरान नायब तहसीलदार हरिप्रसाद भोई भी मौजूद रहे।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में 6 दिवसीय रोबोटिक्स कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय पॉलिटेक्निक में 14 से 19 अक्टूबर तक आयोजित 6 दिवसीय रोबोटिक्स कार्यशाला का समापन हुआ। एआईसीटीई की एटीएएल अकादमी द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को रोबोटिक्स में नवीनतम तकनीकों और उनके व्यावहारिक उपयोगों से अवगत कराना था।

समापन समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. जगपाल सिंह बल डिप्टी डायरेक्टर तकनीकी शिक्षा संचालनालय नवा रायपुर और सेशन एक्सपर्ट डॉ. पवन कुमार पटनायक एसोसिएट प्रोफेसर बीआईटी दुर्ग ने की। यह कार्यक्रम प्राचार्य चंद्रिका विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। इसका सफल संचालन प्रोग्राम कॉर्डिनेटर डॉ. वीनू चंद्राकर व को–कॉर्डिनेटर हेमंत कुमार महोबिया (मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग) द्वारा किया गया।

कार्यशाला में राज्यभर के विभिन्न पॉलिटेक्निक संस्थानों से आए शिक्षकों और प्रतिभागियों ने रोबोटिक्स के क्षेत्र में नए दृष्टिकोण और कौशल प्राप्त किए। कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों को रोबोटिक्स के नवीनतम तकनीकी पहलुओं से अवगत कराया गया।

डॉ. पवन कुमार पटनायक ने रोबोटिक्स के कृषि क्षेत्र में संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया कि कैसे रोबोट्स की मदद से खेती की लागत को कम किया जा सकता है और उत्पादन को अधिक कुशल बनाया जा सकता है। डॉ. पटनायक ने एआई आधारित पैटर्न रिकग्निशन सिस्टम की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की और इसे वास्तविक जीवन की समस्याओं पर लागू करके समझाया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों का मूल्यांकन क्विज़ के माध्यम से किया गया। समापन के अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। कीर्ति रस्तोगी और शारदा चरण गुप्ता ने फीडबैक दिया और कार्यशाला के आयोजन की सराहना की। हेमंत कुमार महोबिया ने कार्यशाला के हर दिन की गतिविधियों और प्रमुख विषयों का संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत किया, जिससे प्रतिभागियों को कार्यशाला की संपूर्ण जानकारी पुनः प्राप्त हुई। समापन समारोह में विदाई भाषण देते हुए, डॉ. पवन कुमार पटनायक ने शासकीय पॉलिटेक्निक महासमुंद के प्राचार्य चंद्रिका विश्वकर्मा को छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार की फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का सफलतापूर्वक आयोजन करने के लिए बधाई दी। उन्होंने इसे ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इसके अतिरिक्त डॉ. जगपाल सिंह बल ने कहा कि यह फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम पॉलिटेक्निक संस्थानों के लिए एक रेवोल्यूशन का कार्य करेगी, जो रोबोटिक्स के क्षेत्र में स्पार्क जनरेट करेगा, जिससे आने वाले समय में सभी संस्थानों को इसका लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में डॉ. शोभा मालीवाल (विभागाध्यक्ष, सिविल इंजीनियरिंग), सालिक धीवर, आनंद साहू, शारदा चरण गुप्ता, रितेश दुबे, नीलकमल साहू, वैभव वर्मा शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लक्ष्मीकांत कराल और अनुराधा शर्मा ने किया। आभार प्रदर्शन प्राचार्य चंद्रिका विश्वकर्मा ने किया।

नवागांव स्कूल में मेगा बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मंशानुरूप प्राथमिक शाला नवागांव में विद्यालय स्तरीय द्वितीय पालक-शिक्षक मेगा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में सभी बच्चों के पालकगण उपस्थित रहे। मां सरस्वती की पूजन पश्चात बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक नरेश्वर डड़सेना द्वारा बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। बच्चों की अकादमिक प्रगति एवं तिमाही परीक्षा परिणाम, छात्र दिनचर्या, बस्ताविहीन शनिवार, आय जाति निवास प्रमाण पत्र, अपार आईडी निर्माण एवं न्योता भोज पर विस्तार से चर्चा की गई। तत्पश्चात शिक्षक नंदकुमार कोसरे शिक्षक द्वारा आशा अनुरूप प्रदर्शन न कर पाने वाले बच्चों को चिन्हांकित कर उनके पालकों से चर्चा की गई। शिक्षक आशीष ध्रुव द्वारा बच्चों की प्रगति पर चर्चा की गई। अपार आईडी के प्रभारी शिक्षक अमृतलाल निषाद ने अपार आईडी की आवश्यकता निर्माण प्रक्रिया एवं सहमति पत्र के बारे में बताया। कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुंदर लाल सिन्हा, समिति के अन्य सभी सदस्य सहित गांव से बड़ी संख्या में पालकों ने भाग लिया।

जागो ग्राहक जागो विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता, मनीषा प्रथम

महासमुंद। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरकोनी में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा गठित स्टैंडर्ड क्लब द्वारा प्राचार्य करण सिंह सोरी के मार्गदर्शन एवं मेंटर लक्ष्मण मानिकपुरी के संयोजन में जागो ग्राहक जागो विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के पश्चात निर्णायक मंडल द्वारा परिणाम की घोषणा की गई। जिसमें प्रथम स्थान पर मनीषा निषाद, द्वितीय दामिनी चंद्राकर एवं हरीश महिपाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बच्चों को प्रमाण पत्र एवं नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य करण सिंह सोरी द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मण मानिकपुरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ व्याख्याता वीपी गोस्वामी, निर्मला कुजूर, केएल साहू, करुणा चंद्राकर, सीआर अग्रवाल, गीता दासरवार, लताराजन, रंजीता दुबे, तारामती साहू, रिचा पांडे, लक्ष्मण मानिकपुरी, राम प्रसाद मोहंती, एसके गुप्ता, सौरभ साहू, मुकेश ध्रुव, उषा साहू, महेश, ढालू एवं विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहे।

एसडीएम ने किया पीएमश्री विद्यालयों का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व

नशामुक्त भारत निर्माण एक पहल अंतर्गत थीम आधारित गतिविधियों का लिया जायजा

नम्रता चौबे (आईएएस) द्वारा विभिन्न स्कूलों का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला झिलमिला में नियमित रूप से साफ-सफाई रखने एवं किचन गार्डन तैयार करने निर्देश दिए तथा पढ़ाई के स्तर को परखने के लिए बच्चों की क्लास में पहुंचीं, जहां उन्होंने विद्यार्थियों के नोटबुक का अवलोकन किया। वहीं विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने कार्ययोजना तैयार कर कार्य करने एवं बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता सुधार करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। स्कूली विद्यार्थियों द्वारा बनाए जा रहे वाटर हार्वेस्टिंग मॉडल का अवलोकन किया और विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार करने प्रेरित किया। किचन शेड में जाकर रसोइया से एमडीएम संबंधी जानकारी ली गई एवं साफ सफाई के साथ स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन किया। साथ ही झिलमिला संकुल के संस्था प्रमुखों की बैठक लेकर पात्र समस्त विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र शीघ्र बनवाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही पीएमश्री शासकीय प्राथमिक शाला सिंघोड़ा का भी निरीक्षण किया, जहां शीघ्र ही अहाता निर्माण के लिए निर्देश दिए।

एसडीएम द्वारा नशामुक्त भारत निर्माण- एक पहल के अंतर्गत किए जा रहे गतिविधियों का जायजा लिया। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना मध्याह्न भोजन कार्यक्रम अन्तर्गत प्रदाय किए जा रहे ताजा, गरम भोजन की गुणवत्ता देखा गया। एसडीएम के निर्देश पर विद्युत विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सक्रियतापूर्वक आधे घंटे के अंदर ही विद्युत तार को शाला परिसर के पीछे भाग से हटाया गया। शासकीय हाईस्कूल सिंघोडा में क्लासरूम में बच्चों से विषयगत अध्ययन अध्यापन की जानकारी लेते हुए बच्चों का आवश्यक मार्गदर्शन किया और नशे से दूर रहने के लिए सलाह दिया और खूब मन लगाकर पढ़ाई करने प्रेरित किया। शासकीय प्राथमिक शाला सिंगबहाल में निर्माणाधीन भवन को शीघ्र पूर्ण करने मौके पर ही एसडीओ (आरईएस) को निर्देशित किया गया। शिक्षा में कसावट लाने शिक्षण व्यवस्था का जायजा लेने की गई इस निरीक्षण को काफी महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान बीईओ प्रकाशचंद्र मांझी एवं सहायक नोडल अधिकारी पीएमश्री विद्यालय एवं एसडीओ (आरईएस) विनोद श्रीवास आदि उपस्थित रहे।

हसदेव बचाने की लड़ाई में कांग्रेस हर कदम पर ग्रामीणों के साथ : चातुरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली

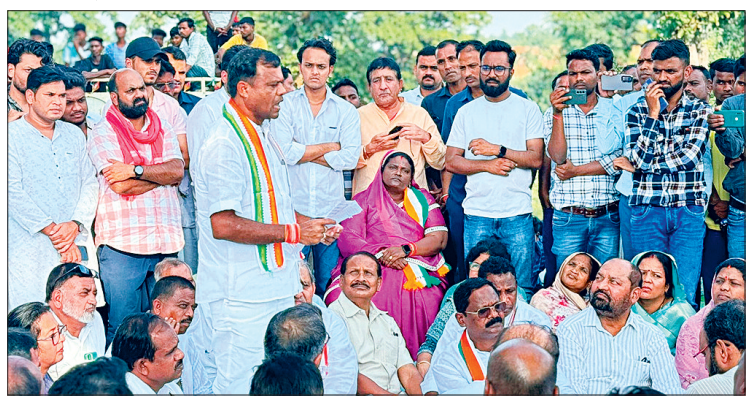

हसदेव बचाने की लड़ाई लड़ रहे आदिवासियों के ऊपर पुलिस की बर्बरतापूर्वक की गई लाठी चार्ज के बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज, विधायक चातुरी नंद समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता धरनास्थल पहुंचकर पीड़ितों से भेंटकर घटना की जानकारी ली। इस संबंध में जानकारी देते हुए विधायक नंद ने कहा कि शांतिपूर्वक धरना दे रहे आदिवासी और ग्रामीणों पर बर्बरतापूर्वक की गई लाठीचार्ज की मैं कड़ी निंदा करती हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के इशारों पर प्रदेश की खनन संपदा को लूटने की साजिश रची जा रही है। उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने आदिवासी और ग्रामीणों को लाठी और बंदूक के दम पर डराया जा रहा है। विधायक नंद ने साय सरकार को ललकराते हुए कहा कि अगर इसी तरह बेगुनाह आदिवासियों और ग्रामीणों को डराया धमकाया जाएगा और शोषण किया जाएगा तो कांग्रेस पार्टी इसका मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने कहा कि हम हसदेव बचाने सड़क से लेकर सदन तक की लड़ाई लड़ेंगे। कांग्रेस नेताओं को ग्रामीणों ने जानकारी दी कि बीते गुरुवार की सुबह बिना किसी पूर्व सूचना के भारी पुलिस बल के साथ साल्हि, फतेहपुर और हरिहर में वनभूमि के साथ ही राजस्व भूमि पर पेड़ों की कटाई प्रारंभ कर दी गई। ऐसी भूमि पर भी कटाई की जानकारी ग्रामीणों ने दी, जिन पर मुआवजा ही नहीं लिया गया था। प्रशासन द्वारा बलपूर्वक कटाई के कारण वृक्षों के खेतों में गिरने से फसलों को भी भारी नुकसान की जानकारी ग्रामीणों ने दी। ग्रामीणों का कहना था कि जब वे शांतिपूर्वक इसका प्रतिवाद कर रहे थे, तब पुलिस ने उन्हें बलपूर्वक खदेड़ना प्रारंभ किया। इस दौरान ग्रामीणों पर लाठीचार्ज किया गया और टियर गैस फेंका गया। महिलाओं की पुरूष पुलिसकर्मियों ने पिटाई की। बता दें कि परसा-केंते क्षेत्र में कोल ब्लॉक को निरस्त करने ग्रामीण विगत कई महीनों से आंदोलन कर रहे है। आंदोलनकारियों ने राजधानी तक पैदल यात्रा भी की थी। लंबी अवधि के आंदोलन के बावजूद इलाके में कोल ब्लॉक शुरू करने की कार्रवाई तेज कर दी गई है, जिसका विरोध प्रदर्शन लगातार किया जा रहा है।

सूने मकान को बनाया निशाना, ताला तोड़ कर की जेवरात की चोरी

बिरकोनी। समीपस्थ ग्राम बिरकोनी में सूने मकान में चोरों ने धावा बोल दिया। प्रार्थी भीमसेन साहू पिता उदेराम साहू ने सिटी कोतवाली द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया है कि 10 अक्टूबर गुरुवार को पत्नी अपने मायके ग्राम रीवां आरंग गई थी और प्रार्थी मकान में ताला लगाकर दुकान महासमुंद गया हुआ था। रात्रि 7 बजे जब वह घर पहुंचा तो घर का मुख्य द्वार तो बंद था लेकिन, अंदर रुम का ताला टूटा मिला। जहां रखी अलमारी में रखा सोने का हार वजन 13.470 ग्राम जिसकी कीमत लगभग 36,370 रुपए आंकी गई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा छत की ओर से मकान के भीतर प्रवेश कर चोरी को अंजाम दिया गया है।

गोठान से सोलर पंप चोरी

महासमुंद। ग्राम सुखीपाली के गोठान से सोलर पंप चोरी के मामले में पिथौरा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। सरपंच सुशील कुमार प्रधान पिता निरंजन प्रधान ने रिपोर्ट में बताया कि 1 अक्टूबर की रात में गोठान में लगे 5 एचपी सोलर पंप, 20 मीटर केबल कीमत 53 हजार रुपए के सामान को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303 (2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

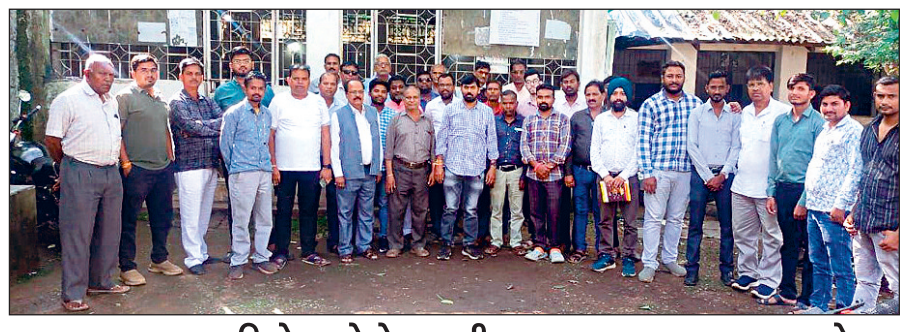

सुगम एप का विरोध, बेरोजगारी का भय सता रहा दस्तावेज लेखक और स्टाम्प वेंडरों को, रहेंगे आज से हड़ताल पर

महासमुंद। दस्तावेज लेखकों और स्टाम्प वेंडरों ने रोजगार पर आघात पहुंचाए जाने का विरोध जताते हुए 21 अक्टूबर से हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। स्टाम्प वेंडरों और दस्तावेज लेखकों की मानें तो पंजीयन विभाग द्वारा सुगम एप के माध्यम से पंजीयन प्रक्रिया लागू करने की तैयारियां की जा रही है जिसमें बहुत कमियां होने के साथ इस कार्य से जुड़े प्रदेश भर के 12 हजार लोगों को बेरोजगार बनाने की मंशा है। प्रदेश सरकार पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि संघ द्वारा सुरक्षित काम और रोजगार मांगा गया। लेकिन, मनमाने तरीके से सुगम एप लागू किया जा रहा है।

धान खरीदी को लग सकता है ग्रहण : जयप्रकाश

प्रदेश के आह्वान पर जिले के कर्मचारी होंगे हड़ताल में शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिले समेत प्रदेश के किसानों के लिए बुरी खबर है।

अपने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने चरणबद्ध आंदोलन का शंखनाद कर दिया है, यदि ऐसा होता है तो समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी चरमरा सकती है।

संघ के कर्मचारी नेता जयप्रकाश साहू, मनीष चंद्राकर, मनोज भारद्वाज, भेख लाल यादव, ईश्वर पटेल के मुताबिक कर्मचारियों को मिलने वाली अनियमित वेतन के लिए वेतन अनुदान, धान खरीदी की नीतियों में संसोधन जैसी विषयों को लेकर प्रदेश संगठन ने आगामी 4 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए सूचना शासन प्रशासन को दी है, जिसका महासमुंद के सहकारी समिति कर्मचारियों ने स्वागत करते हुए हड़ताल में शामिल होने की बात कही है।

इधर, समर्थन मूल्य में धान खरीदी के तैयारी के लिए शासन प्रशासन के निर्देश सहकारी समितियों को प्राप्त हुए है, लेकिन इन पर होने वाली खर्च की राशि समितियों को अप्राप्त है। जानकारी के मुताबिक जिले के आधे से ज्यादा समिति के कर्मचारियों को बीते चार माह से वेतन नहीं मिला है। दीवाली जैसे राष्ट्रीय त्यौहार में वेतन नहीं मिलने का भी गुस्सा कर्मचारियों में है, यही हाल पूरे प्रदेश का है, जिसका असर आगामी 4 नवंबर को होने वाली प्रदेश ब्यापी हड़ताल पर रहेगा।

कॉलेज में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल के निर्देशानुसार महाविद्यालय में 19 अक्टूबर 2024 को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की समस्त संकायों से छात्र-छात्राओं में परीक्षा में भाग लिया। ज्ञात हो कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा विद्यार्थियों की संस्कृति संबंधी ज्ञान में उत्तरोत्तर वृद्धि करती है। विद्यार्थियों का पंजीयन कराया गया। जिसमें स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृति भास्कर पुस्तक का वितरण किया गया एवं स्नातक स्तर पर संस्कृत दर्पण पुस्तक का वितरण किया गय। अपनी पुस्तक से तैयारी कर प्रतिभागी परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा के दौरान प्राचार्य डॉ अनुसुइया अग्रवाल, डॉ मालती तिवारी एवं अजय कुमार राजा द्वारा निरीक्षण किया गया। भारतीय संस्कृति सबसे प्राचीन ही नहीं अपितु सबसे श्रेष्ठ संस्कृति है। संस्कृति किसी देश और जाति में पैदा नहीं होती वह मानवीय और सार्वभौम है। दूसरे शब्दों में संस्कृति मानवीय गरिमा के अनुरूप उच्च स्तरीय श्रद्धा सद्भावना को कहा जाता हैं। यद्यपि प्रत्येक देश, वर्ग एवं जाति की कुछ अपनी सांस्कृतिक विशेषताएं होती हैं। किंतु, मानवीय मूल्य के आधार पर देखा जाए तो परस्पर एक दूसरे के समान होती हैं, इनके प्रकाश में मनुष्य परस्पर प्रेम के बंधनों में बनते हैं। परीक्षा का आयोजन प्रभारी राजेश्वरी सोनी, आशुतोष पुरी गोस्वामी, परवीन करीम और योगेश कुमार साहू द्वारा किया गया।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन

सरायपाली। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के लिए ग्रामीण उच्च माध्यमिक विद्यालय तोषगांव में पर्यवेक्षक के तौर पर निरीक्षण की।

खबर संक्षेप

तुमगांव में शारदीय नवरात्रि की पूर्णाहुति

महासमुंद। गायत्री प्रज्ञापीठ तुमगांव में शारदीय नवरात्रि की पूर्णाहुति हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ युग गायन एवं मां गायत्री की पूजा, यज्ञ, हवन से हुआ। इस अवसर पर नगर पंचायत तुमगांव के पूर्व अध्यक्ष मीना शर्मा उपस्थिति रही। सैकड़ों की संख्या में परिजनों द्वारा यज्ञ में आहुति दी गई। यज्ञ का संचालन पंचराम ध्रुव ने किया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के वरिष्ठ परिजन धुरुराम साहू, किशन लाल साहू, डॉ केआर ठाकुर, पंचराम निषाद, पंथराम साहू, मनीष निषाद, प्रहलाद साहू, मुकेश, मोंटू, महावीर निर्मलकर, पत्रिका साहू, सुखीराम सिन्हा आदि उपस्थित थे। अंत में खीर पूड़ी प्रसाद वितरण किया गया। यह जानकारी पंथराम साहू ने दी।

अग्निवीर सैन्य प्रशिक्षण संस्थान में आत्महत्या रोकथाम पर हुई कार्यशाला

महासमुंद। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत अग्निवीर सैन्य प्रशिक्षण संस्थान में आत्महत्या रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन शनिवार को किया गया। यह कार्यशाला डॉ पी कुंदेशिया सीएमएचओ, नीलू घृतलहरे डीपीएम एवं डॉ सीपी चंद्राकर मानसिक स्वास्थ्य नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण गया। आत्महत्या के वार्निंग साइन को कैसे पहचाने इससे रूबरू कराया गया। अग्निवीर प्रशिक्षण के दौरान जीवन में आने वाले तनाव व उनके उपचार, दैनिक दिनचर्या में बदलाव, रुकावटें को भी चर्चा की गई। मानसिक तनाव को कम करने के विधि बताया गया, गेम के माध्यम से तनाव को कम करने उपाय बताया गय। लगभग 35 अग्निवर प्रशिक्षण कर्ता उपस्थिति हुए। भूतपूर्व सैन्य संगठन के युवराज चंद्राकर, प्रदीप, विकास ढीढी, रिंकू विद्या, मोनिका, हीना, भावना, सागर, चंद्रशेखर, खेमन, रामेश्वर, हिमांशु, सत्तू, योगिता जमुना ने प्रशिक्षण लिया। शासकीय महाविद्यालय संबद्ध जिला चिकित्सालय स्पर्श क्लीनिक में प्रतिदिन सप्ताह में दो दिवस ओपीडी, प्रतिदिन मनोसामाजिक परामर्श ब्लॉक स्तर पर प्रति सोमवार को शिविर आयोजित किया जाता है। इसकी जानकारी दी गई। यह कार्यशाला का आयोजक रामगोपाल खूंटे साइकेट्रिक सोशल वर्कर व स्टॉफ द्वारा किया गया।

बिरकोनी स्कूल में चलाया जागरुकता कार्यक्रम

महासमुंद। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरकोनी में नशामुक्त भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर नशे से होने वाले बीमारियों जैसे कैंसर, टीबी, ट्यूमर, फेफड़ों में संक्रमण, लकवा आदि पारिवारिक कलह, आपसी लड़ाई झगड़ों, वाद विवाद के बारे में बताया गया। व्याख्याता श्रवण सिन्हा ने बताया कि गांव-गांव में महिलाओं की समिति बनी हैं, जो रोज एक निश्चित समय में डंडे लेकर निकलते हैं और ऐसे व्यक्ति को दंडित करते है जो किसी भी प्रकार का नशा करते पाए जाते है। व्याख्याता मनहरन लाल भट्ट ने बताया कि महिलाएं गुड़ाखू, शराब, तंबाखू का सेवन करती है जो पारिवारिक कलह और बीमारियों को जन्म देती है। शिक्षक भानेंद्र ध्रुव ने बताया कि नशा करने में पैसों की बर्बादी होती हैं। शिक्षक महेंद्र ध्रुव ने बताया कि गुजरात, बिहार में पूर्ण शराबबंदी है, ऐसा ही पूरे देश में लागू होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता परस राम सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में व्याख्यातागण रागिनी चंद्राकर, अनुपमा मानिकपुरी, संतराम साहू, मनीषा तिर्की, निधि अग्रवाल, शिक्षक रेणुका चंद्राकर, मनीषा राजपूत, केशव मौजूद रहे।

विभाग स्तरीय संस्कृति महोत्सव में तीन जिलों से 454 छात्र-छात्राएं हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

स्थानीय भलेसर मार्ग पर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में तीन दिवसीय संस्कृति महोत्सव का समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि योगेश्वर राजू सिन्हा (विधायक), अध्यक्षता संध्या शर्मा (आदर्श शिक्षा मंडल समिति के उपाध्यक्ष), विशेष अतिथि अनिल पुरोहित (संस्थान जिला प्रतिनिधि महासमुंद), रूपेंद्र साहू (जिला प्रतिनिधि गरियाबंद), धर्मेंद्र महोबिया (आदर्श शिक्षा मंडल समिति के सचिव), गोवर्धन प्रधान (सहसचिव), मानिक लाल साहू (राजिम विभाग समन्वयक) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, ओम एवं भारत माता के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पण, तिलक लगाकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। पश्चात कार्यक्रम में अतिथि परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य कृष्णा चंद्राकर एवं सभी अतिथियों का स्वागत प्राचार्य राजश्री ठाकुर ने किया। इस अवसर पर इस संस्कृति महोत्सव को संपन्न कराने वाले प्रभारी के रूप में उपस्थित मानिक लाल साहू (राजिम विभाग समन्वयक), दीपक शुक्ला, निवास शुक्ला, हेमंत महाडिक एवं अनिमेश शर्मा का सम्मान मुख्य अतिथि एवं समिति के सदस्यों द्वारा किया गया। पश्चात इस कार्यक्रम के प्रभारी निवास शुक्ला अपने ने प्रस्तावित उद्बोधन में कहा गया कि इस संस्कृति महोत्सव में राजिम विभाग के तीन जिले महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद से 454 भैया/ बहन एवं 31 संरक्षक दीदी/आचार्य कुल 485 की संख्या में सम्मिलित हुए। इस तीन दिवसीय संस्कृति महोत्सव के दौरान, कथाकथन, आचार्य पत्र वाचन, शास्त्री गायन, गीता पाठ, मानस प्रथमाक्षरी जैसे अनेक कार्यक्रम संपन्न हुए। सरस्वती शिक्षा संस्थान द्वारा हर वर्ष यह प्रतियोगिता विभाग स्तर से अखिल भारतीय स्तर तक आयोजित किया जाता हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक योगेश्वर ने कहा कि हमेशा जितना कोई बड़ी बात नहीं होती। आने वाले समय में और अच्छा प्रयास करोगे तो सफलता जरूर मिलेगी। यहां जितना भैया बहन अध्ययन कर रहे हैं उनके माता-पिता अपने मन में सपना संजोए रहते हैं कि हमारे संतान परिवार का नाम रोशन करेंगे। मेरी यह आशा है कि सभी भैया बहन ऐसे ही आयोजन में भाग लेकर अपने परिवार शहर विद्यालय का नाम रोशन करें। साथ ही आदर्श शिक्षा मंडल समिति के व्यवस्थापक धर्मेंद्र महोबिया द्वारा विद्यालय में आहाता निर्माण, शौचालय निर्माण के लिए मांग पत्र दिया था, जिस पर मुख्य अतिथि विधायक ने आहाता निर्माण, शौचालय निर्माण एवं साइकल स्टैंड शेड के लिए राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित अनिल पुरोहित ने अपने उद्बोधन में कहा जिस संस्कृति के दौर से हम गुजर रहे हैं वहां हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं, इसे बचाए रखने के लिए विद्या भारती के द्वारा इस संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। विशेष अतिथि रूपेंद्र साहू ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का कहना था भैया बहनों को गीता की जगह फुटबॉल दें। उन्होंने कहा था, आप भगवद गीता का अध्ययन करने की तुलना में अगर फुटबॉल खेलते हो तो स्वर्ग के अधिक निकट होगे। उनके इस कथन को द इनर वॉइस ने विश्व कप फुटबॉल के संबंध में एक लेख में छापा था। विवेकानंद ने कहा था कि सबसे पहले हमारे युवा को को मजबूत होना चाहिए। धर्म बाद में आता है।

तीन दिनों तक आयोजित हुए इस संस्कृति महोत्सव के प्रतियोगिता में महासमुंद से शास्त्रीय गीत में धारणा साहू प्रथम, कथाकथन में वैभव साहू प्रथम, तबला वादन में आदित्य प्रजापति, रंगोली में निधि जलक्षत्री, शास्त्रीय गायन में यामिनी निषाद प्रथम स्थान, शास्त्रीय नृत्य में जीविका देवांगन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन सभी विजेताओं को शील्ड व प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहन प्रांतीय संस्कृति महोत्सव 20 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक सरस्वती शिशु मंदिर राजिम में आयोजित है, उसमें हिस्सा लेंगे। इन प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में शास्त्रीय नृत्य एवं एवं गायन में प्रिया सिन्हा, पदमा बनर्जी, हितेंद्र साहू, संध्या शर्मा, चित्रकला, मूर्तिकला एवं एकल अभिनय में राजू यादव, भारत सिंह साहू, गीता पाठ में सुशील शर्मा, आशुतोष कन्नौजे, स्वरचित कविता, टेकराम सेन, मानस अंताक्षरी में भगत राम साहू, गोवर्धन साहू, वन्दे मातरम में राधेश्याम सोनी, महेश चंद्राकर, गुलाब सेन, सुजाता विश्वनाथन, रामकृष्ण साहू, तबला वादन में शंकर होता, अनिल उइके, कुंजबिहारी का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक का आदर्श शिक्षा मंडल समिति के सदस्यों द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया। विद्यालय के सचिव धर्मेंद्र महोबिया ने आभार प्रदर्शन किया। संचालन विद्यालय की आचार्या मनोज साहू ने किया। इस आयोजन को संपन्न कराने में प्रभारी के रूप में उपस्थित मानिक लाल साहू, दीपक शुक्ला, हेमंत महाडिक, निवास शुक्ला, अनिमेश शर्मा, विद्यालय के बौद्धिक प्रभारी बलराम सेन एवं 18 विधाओं के प्रतिभागी भैया बहनों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय निर्णय के लिए शहर के बुद्धिजीवीजन, संबंधित विधाओं में पारंगत निर्णायको एवं विद्यालय के समस्त दीदी आचार्यों का सहयोग सराहनीय रहा।

जागरुकता बढ़ाने और रोजगार के अवसर प्रदान करने कौशल पखवाड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

विभिन्न रोजगार व स्वरोजगारोन्मुखी विषयों में निःशुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण देने जाने के लिए कौशल पखवाड़ा का आयोजन 14 से 30 अक्टूबर तक ब्लॉक व ग्राम पंचायत स्तर पर किया जा रहा है। इसके तहत जनपद पंचायत बागबाहरा द्वारा कौशल पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक हितग्राहियों के लिए विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाए गए थे। जिसमें प्रशिक्षण से संबंध विभाग, जनपद, स्वसहायता समूहों, श्रम विभाग आदि शामिल थे।

प्रशिक्षण के प्रति लोगों में

जागरुकता बढ़ाने और उन्हें रोजगार के नए अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से इस पखवाड़े का आयोजन किया गया। स्टालों के माध्यम से इच्छुक व्यक्तियों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी गई और मौके पर ही आवेदन भराए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार और कौशल विकास के क्षेत्र में मदद करना है। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा चयनित स्वयं सहायता समूहों को चेक वितरण कर सम्मानित किया गया।

यह चेक उन समूहों को उनके सफल कार्यों और भविष्य की योजनाओं के लिए प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान किए गए। इस अवसर पर जनपद पंचायत के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। कौशल पखवाड़ा के तहत युवाओं और महिलाओं को मुख्य रूप से लक्षित किया गया। ताकि, उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में कुशल बनाया जा सके और वे आत्मनिर्भर बन सकें। पखवाड़े के आयोजन का उद्देश्य था कि ग्रामीण युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिलं और उन्हें बड़े शहरों की ओर पलायन करने की आवश्यकता न हो।

14 नवंबर से धान खरीदी का निर्णय स्वागतेय : देवेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक देवेंद्र चंद्राकर ने प्रदेश सरकार द्वारा 14 नवंबर से धान खरीदी के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में फसल कटाई में कम से कम 15 से 20 दिन का समय है। इस बार देर से मानसून आने के कारण खेती किसानी काफी पिछड़ गया था। देर से बुआई के चलते इस बार अभी तक खेतों में धान पूरी तरह से पका नहीं है। धान के पौधे अभी भी हरे हैं। साथ ही विगत सप्ताह भर पूर्व रूक-रूक कर हो रही लगातार बारिश के चलते खेत गीले हैं। कुछ एक स्थानों को छोड़कर अधिकांश खेतों में गीलापन है। जिससे हार्वेस्टर भी खेतों में नहीं जा पाएंगे। ऐसे में 14

- वर्तमान में फसल कटाई में कम से कम 15 से 20 दिन का समय, देर से मानसून आने पिछड़ी खेती

नवंबर से धान खरीदी करने सरकार ने सही निर्णय लिया है। वर्तमान में 31 अक्टूबर तक धान खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन भी जारी है। किसानों को पंजीयन आदि के लिए और समय मिल पाएगा।

चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में किसानों के लिए धान खरीदी एक बड़ा त्यौहार जैसा होता है, और इस साल राज्य सरकार ने 14 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने की तैयारी कर ली है। किसानों को इस साल भी 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य मिलेगा। जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। सरकार ने धान खरीदी केंद्रों पर किसानों के लिए आवश्यक सुविधाएं, जैसे बैठक व्यवस्था और पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो। पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन काल में किसानों को 4 किश्तों में न्याय योजना के नाम पर आधी-अधूरी राशि दी जाती थी। लेकिन, भाजपा सरकार बनते ही किसानों को एकमुश्त धान की राशि मिल पाई। एकमुश्त राशि मिलने से किसान घर बनाने, ट्रैक्टर खरीदी करने, बच्चों के विवाह आदि कार्यों के लिए समर्थ बन पाए हैं।

राज्य स्तरीय इंटैक राष्ट्रीय विरासत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली

भारतीय सांस्कृतिक निधि द्वारा विरासत शिक्षा और संचार सेवा प्रभाग की प्रधान निदेशिका पूर्णिमा दत्त के निर्देशन एवं छग राज्य संयोजक अरविंद मिश्र, राज्य सह संयोजक डॉ देबाशीष सान्याल एवं डॉ शिवी जोशी के संयुक्त मार्गदर्शन में इंटैक नेशनल हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता 2024 (सिटी राउंड) का आयोजन संयोजक यशवंत कुमार चौधरी के नेतृत्व में सेजेस में निःशुल्क रूप से किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के सातवीं से दसवीं कक्षा तक के स्कूली विद्यार्थियों की 98 टीमों ने पूर्व पंजीयन कराकर प्रतियोगिता में उत्साह के साथ भाग लिया।

विद्यार्थियों ने 30 मिनट में प्रथम लिखित राउंड में राष्ट्रीय, राजकीय विरासतों एवं इंटैक से संबंधित 20 प्रश्नों के उत्तर सटीकता से लिखे, जांच उपरांत लिखित प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान केजी कान्वेंट हायर सेकंडरी स्कूल की विधि अग्रवाल एवं अल्साना फातिमा, द्वितीय स्थान स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय की स्वाति

यादव एवं टीशा यादव, तृतीय स्थान आईईएम बीएच स्कूल कुटेला के शुभम भोई एवं निमेश पटेल ने प्राप्त किया तथा मौखिक राउंड में प्रथम स्थान स्वाति यादव एवं टीशा यादव सेजेस, द्वितीय स्थान शुभम भोई एवं निमेश पटेल आईईएम बीएच स्कूल कुटेला, तृतीय स्थान विधि अग्रवाल एवं अल्साना फातिमा ने प्राप्त किया।

इस प्रकार राज्य स्तरीय इंटैक राष्ट्रीय विरासत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 2024 रायपुर के लिए स्वाति यादव(आठवीं) एवं टीशा यादव (सातवीं) सेजेस का चयन उच्चतम अंकों के आधार पर निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। आंसर की जांच टीम में व्याख्याता कुसुम देवांगन, प्रभारी प्रधान पाठक प्रतिभा चौधरी, प्रभारी प्रधान पाठक मनोज पटेल, शिक्षिका राधा शर्मा, वंदिता बहिदार, शिक्षक संजय नंद आदि ने खूब सहयोग दिया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में दाऊलाल चंद्राकर संयोजक एवं बंधु राजेश्वर खरे, श्याम चौधरी, जेपी पटेल, सेजेस प्राचार्य मनोज पटेल, व्याख्याता केआर पटेल, जोगीलाल पटेल, प्रदीप नारायण सेठ, महेश नायक, तिलोत्तमा साहू, घनश्याम दीप, शिक्षक राजकुमार पटेल, शिक्षिका रश्मि राजा, अनिता साव, सुनील दास आदि का सहयोग रहा।

प्राथमिक शाला तुमगांव में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन

महासमुंद। शासकीय बालक प्राथमिक शाला तुमगांव में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक में स्कूल के शिक्षकों, एसएमसी सदस्यों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में मुख्य बिंदु पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति आहार योजना शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को ध्यान में रखकर संचालित की जा रही है, ताकि आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और सशक्त बनाया जा सके। शैक्षणिक चर्चा शिक्षकों ने छात्रों की शैक्षणिक प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। शत प्रतिशत उपस्थिति बैठक में शत-प्रतिशत उपस्थिति को लेकर जोर दिया गया। परीक्षा पर चर्चा मासिक परीक्षा, तिमाही परीक्षा, आगामी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। अभिभावकों के लिए विशेष खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बिंदी लगाओ, मटका फोड़, नारियल फेंक, इन खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य अभिभावकों और स्कूल के बीच संबंधों को मजबूत करना और बच्चों में खेल भावना को प्रोत्साहित करना था। प्रथम, द्वितीय तृतीय, स्थान प्राप्त करने वाले पालकों को पुरस्कार प्रदान करके उत्साहवर्धन किया। बैठक के अंत में सभी ने इस आयोजन की सराहना की और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्था प्रमुख संगीता रात्रे, शिक्षक जितेंद्र कुमार साहू, शिक्षक बलराम नेताम, एसएमसी अध्यक्ष विमला बांधे, विधायक प्रतिनिधि राकेश तिवारी, ममता, प्रेमिन, साधना बांधे, चमारीन, नंदनी, नरेंद्र, देवकुमार, देवमती, श्यामबाई, गूंजा, रेवती, भागवती, लुकेश्वरी, पालकगण उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली

वीरेंद्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य पीके भोई के मार्गदर्शन एवं यूके बरिहा विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विभागाध्यक्ष यूके बरिहा राजनीति विज्ञान द्वारा गरीबी के कारण और विश्व में पाए जाने वाले गरीबी के प्रकार तथा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा गरीबी उन्मूलन के लिए किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

राजनीति विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. झरना साव ने गरीबी के मूल कारणों और मुद्दों पर अपना विचार व्यक्त किया। गरीबी समाज में पाया जाने वाली सबसे बड़ी समस्या है, जब तक गरीबी का निदान नहीं किया जाएगा।

व्यक्ति के सोच को जागृत नहीं किया जा सकेता। अतिथि व्याख्याता नरेश कुमार जगत ने भी अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस पर संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा किए गए कार्यों और उसके मनाए जाने की संबंध में अपना विचार व्यक्त किया। आज के समय में लगभग 73 करोड लोग गरीबी रेखा के नीचे अपने जीवन यापन करने के लिए मजबूर हैं। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान परिषद के अध्यक्ष नीरज कुमार निषाद एवं आभार प्रदर्शन हसीना बघेल ने किया। इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्र-छात्राएं तथा राजनीति विज्ञान परिषद के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वाध्यायी विद्यार्थियों को 21 से 26 अक्टूबर तक महाविद्यालय में सहमति उपरांत विषय का आबंटन होगा : अनुसुइया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के आदेशानुसार शासकीय महाविद्यालय में स्वाध्यायी विद्यार्थी के रूप में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए स्वाध्यायी विद्यार्थी नीति 2024 का अनुमोदन किया गया है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने बताया कि स्वाध्यायी विद्यार्थी से तात्पर्य नियमित रूप से प्रवेश न लेकर स्वाध्यायी के रूप में अध्ययन करते हैं और परीक्षाओं में शामिल होते हैं, उन्हें स्वाध्यायी विद्यार्थी के रूप में मान्य किया जाता है। एनईपी -2020 के अंतर्गत स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए स्नातक पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालय के अध्यादेश 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड प्रोग्राम के अनुसार अध्यादेशित होंगे। सभी राजकीय विश्वविद्यालयों एवं शासकीय महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने के कारण एकरूपता लाने के लिए स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए नीति लागू किया गया है। स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए पंजीयन के लिए 20 दिवस का समय निर्धारित किया गया है। प्रथम सेमेस्टर के लिए अकादमी कार्य एवं गतिविधियां विश्वविद्यालय द्वारा तय की गई है। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय को जिन परीक्षार्थियों ने परीक्षा केंद्र चयनित किया है, तिथि के अनुसार परीक्षा संबंधी अकादमिक गतिविधियों का पालन करना सुनिश्चित करें। इसमें 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर विश्वविद्यालय में स्वाध्यायी विद्यार्थियों का पंजीयन, 21 अक्टूबर को संबंधित महाविद्यालय को स्वाध्यायी विद्यार्थियों की सूची का प्रेषण, 21 अक्टूबर संबंधित महाविद्यालय द्वारा संकायवार/विषयवार स्वाध्यायी विद्यार्थियों का व्हाट्सएप ग्रुप तैयार करना। प्रत्येक व्हाट्सएप ग्रुप का एडमिन संबंधित संकाय/विषय का शिक्षक होगा, 21 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक स्वाध्यायी विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपलब्ध जीई/ वीएसी / एसईसी विद्यार्थियों की सहमति उपरांत आवंटन, 15 नवंबर से 25 नवंबर तक सेमेस्टर परीक्षा के लिए स्वाध्यायी विद्यार्थियों द्वारा आवेदन तिथि, 26 अक्टूबर को स्वाध्यायी विद्यार्थियों की रोल नंबर अनुसार सूची का संबंधित महाविद्यालय को प्रेषण। 1 नवंबर से 10 नवंबर तक स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए संबंधित महाविद्यालय द्वारा प्रथम आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन, 1 दिसंबर 24 से 10 दिसंबर तक स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए संबंधित महाविद्यालय द्वारा द्वितीय आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन, 15 दिसंबर से 25 दिसंबर तक स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए संबंधित महाविद्यालय द्वारा असाइनमेंट जमा करने की तिथि, 15 दिसंबर से 31 दिसंबर तक स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए संबंधित महाविद्यालय द्वारा प्रायोगिक परीक्षा की तिथि विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित की गई है। प्रत्येक आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा 20 अंक की होगी तथा असाइनमेंट 10 अंक का होगा। दोनों आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के प्राप्तांक में से जो अधिक होगा वही प्राप्तांक तथा असाइनमेंट के अंक महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार तथा निर्धारित तिथि तक प्रेषित किया जाएगा। महाविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को क्रियान्वयन करने के लिए शासन के निर्देशानुसार एनईपी प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। जिसमें डॉ. ईपी चेलक संयोजक, डॉ. रीता पांडेय सहसंयोजक, अजय कुमार राजा सदस्य, डॉ अजय कुमार देवांगन सदस्य हैं।